बैंक ऑफ़ इंडिया

सतत विकास को मज़बूती

बैंक ऑफ़ इंडिया किस प्रकार विभिन्न पहलों के माध्यम से बुनियादी स्तर पर प्रभाव डाल रहा है

मई 2024

कार्यपालक सार | एक अर्थपूर्ण परिवर्तन लाना

बैंक ऑफ इंडिया में, हम उन समुदायों में एक अर्थपूर्ण परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिन्हें हम विभिन्न वित्तीय उत्पादों और सामाजिक कल्याण पहलों के माध्यम से सेवा प्रदान करते हैं।

वित्त वर्ष 2024 में, हम विभिन्न वित्तीय उत्पाद और सामाजिक कल्याण पहलों के माध्यम से 50 लाख से अधिक लोगों से जुड़े। समावेशी विकास और सतत समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई), कृषि और आवास आदि हमारे समग्र दृष्टिकोण के प्रमुख स्तंभ थे।

हम एमएसएमई की गतिशील आवश्यकताओं का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं, जो भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार हैं। हमने वित्त वर्ष 2024 में 15 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान की, जिनमें से 55% ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों से थे। हमने जिन एमएसएमई को उधार दिया, उनमें से लगभग 61% सूक्ष्म उद्यम थे। हम मुद्रा योजना में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं – इस योजना के तहत हमारे उधार में हमारे कुल एमएसएमई क्रेडिट पोर्टफोलियो का 78% शामिल था – और हमने 67,000 से अधिक सामाजिक रूप से सीमांत उद्यमियों को वित्तीय सहायता प्रदान की।

हम स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), कृषि मशीनीकरण, आदि में कृषि क्षेत्रों का समर्थन कर रहे हैं। हमने वित्त वर्ष 2024 में 3.3 लाख एसएचजी लाभार्थियों और 29 लाख किसानों की सेवा प्रदान की।

हम आवास के लिए भारत की बढ़ती मांग को लगातार पूरा कर रहे हैं। हमने वित्त वर्ष 2024 में 3.8 लाख से अधिक व्यक्तियों को आवास ऋण प्रदान किया, जिसमें 25,000+ पहली बार घर खरीदने वाले थे। इसके अतिरिक्त, 2.8 लाख से अधिक आवास ऋण प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को लक्षित थे, जिनसे निम्न आय वर्ग के लिए आवास तक पहुंच की सुविधा उपलब्ध कराई गई थी।

हमने महिला सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय आंदोलन को अपनाया है। वित्त वर्ष 2024 में, हमारे कर्मचारियों में से 29% महिलाएं थीं। हमने अपनी महिला कार्यबल का समर्थन करने के लिए विभिन्न पहल शुरू की हैं, जिसमें मॉम का री-लॉन्च कार्यक्रम, शिशु देखभाल सुविधाएं और महिला कर्मचारियों के लिए स्थानांतरण वरीयता शामिल हैं। हमने महिलाओं के अनुरूप एक उत्पाद, **नारी शक्ति बचत खाता** पेश किया, जो विशेष सुविधाएं और रियायतें प्रदान करता है। हमारे आवास ऋण के लगभग 86,000 ग्राहक महिलाएं हैं और यही कहानी एमएसएमई और कृषि जैसे अन्य क्षेत्रों में भी सामने आती है, जहां एक चौथाई से अधिक ग्राहक महिलाएं हैं।

हम अपने कर्मचारियों से परे सभी स्तरों पर एक कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए शिक्षा और कौशल विकास के महत्व को स्वीकार करते हैं। यथा वित्त वर्ष 2024, हमने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों (RSETI) कार्यक्रमों के माध्यम से 35,000 से अधिक जीवन को छुआ है, जिसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे वाले ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाना है। हमने उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय उत्पादों के माध्यम से एक लाख से अधिक छात्रों को सहायता प्रदान की। हमने अपने 47% कर्मचारियों को कर्मचारियों के लिए शिक्षण एवं विकास केंद्र के माध्यम से प्रशिक्षित भी किया है। वित्त वर्ष 2024 तक, हमने अपने वित्तीय साक्षरता तथा ऋण परामर्श केंद्रों के माध्यम से 18 लाख लोगों को सलाह दी।

हम स्थायी आधार पर सीएसआर पहल के माध्यम से पर्यावरण और सामाजिक संवर्धन का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं। हमने वित्त वर्ष 2024 में सीएसआर पहल के लिए 7 करोड़ रुपये आवंटित किए, जिसमें से स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक कल्याण को 28%, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का समर्थन करने वाली हमारी स्टार एंजेल योजना को लगभग 15% और दिव्यांगों का समर्थन करने वाली पहल को 4% मिला।

हमारी पर्यावरण-जागरूक प्रथाएं पर्यावरणीय संधारणीयता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। हमने वित्त वर्ष 2024 में कुल 837 करोड़ रुपये के चार हरित बॉन्ड में निवेश किया। हमने खुदरा ऋण खंड में सोलर रूफटॉप पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों को वित्तपोषित किया है। हमने नवीकरणीय ऊर्जा कंपनियों को भी वित्तीय सहायता दी है। स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन प्रति कर्मचारी वित्त वर्ष 2024 में 0.42 मीट्रिक टन/कर्मचारी है। हमने उत्सर्जन तीव्रता में कमी, नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं और स्वच्छ पानी की उपभोग में कमी को दूर करने के लिए अपनी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगियों के माध्यम से दुनिया भर में विभिन्न हरित पहलों का भी समर्थन किया है।

इस बीच, भारत के गतिशील वित्तीय परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरती डिजिटल क्रांति के साथ, वित्तीय संस्थानों के लिए संचालन को नया आकार देते हुए, हमने एक डिजिटल ऋण विभाग की स्थापना की है जो एक ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से एमएसएमई, कृषि और खुदरा क्षेत्रों के लिए ऋण प्रदान करता है। इस प्लेटफॉर्म द्वारा, जो वेब-सक्षम और शाखा-सहायता प्राप्त चैनल दोनों को सक्षम बनाता है, हमने 72 लाख से अधिक खाते जोड़े हैं। हमारी प्रमुख पहलों में से एक बीओआई मोबाइल ओमनी नियो ऐप रहा है। 300+ सुविधाओं सहित, यह सभी बैंकिंग, निवेश और भुगतान आवश्यकताओं के लिए समग्र समाधान के रूप में कार्य करता है। यूपीआई हमारी डिजिटल परिवर्तन यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है, जिसमें वित्त वर्ष 2022 और 2024 के बीच लेनदेन की संख्या (मात्रा के संदर्भ में) 2.4 गुना बढ़ गई है। हमारी शाखाएं/कार्यालय विश्व के 15 देशों में फैली हुई हैं जिनके माध्यम से हम घरेलू और वैश्विक दोनों ग्राहकवर्ग को सेवा प्रदान कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2024 में, विदेशी परिचालनों ने हमारे वैश्विक कारोबार मिश्र (अग्रिम और जमा) में 16% का योगदान दिया, जो अब लगभग रु. 2 लाख करोड़ के करीब है।

इस प्रभाव नोट में इन सभी पहलुओं और इनके अलावा भी कुछ पहलुओं का विवरण दिया गया है, जो विभिन्न क्षेत्रों में हमारे बहुमुखी योगदान और सामाजिक कल्याण और आर्थिक विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

बुनियादी आधार पर कई गुना प्रभाव

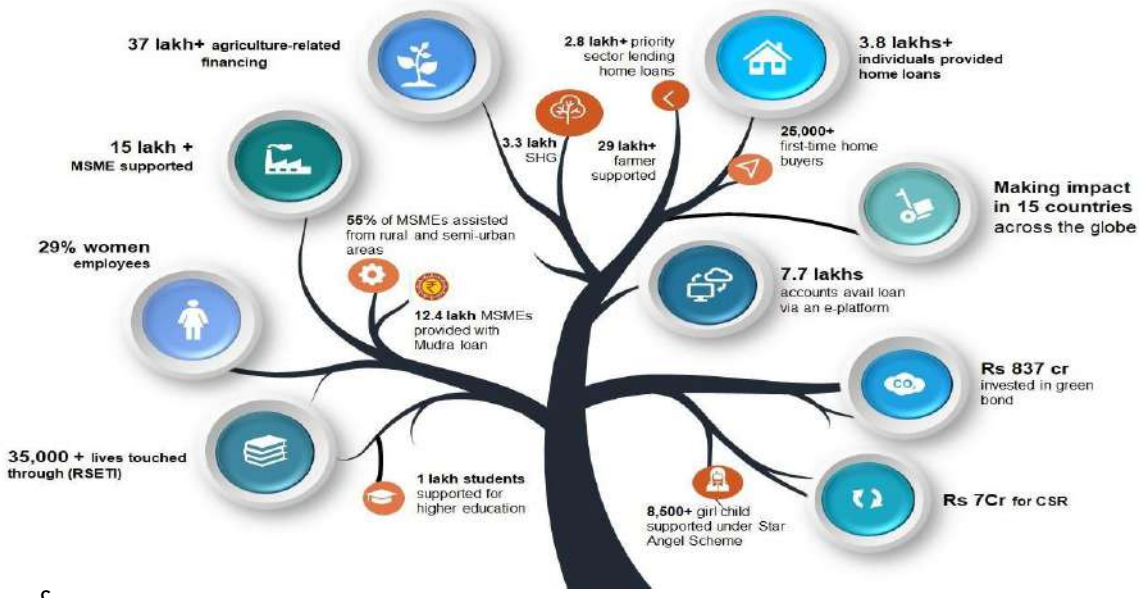

नोट : डाटा यथा वित्त वर्ष 2024

संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के साथ संरेखन

हमारी पहल कई यूएनएसडीजी लक्ष्यों के साथ प्रतिध्वनित होती है, जो नवोन्मेषी कार्यक्रमों और महत्वपूर्ण सहयोग के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण, लैंगिक समानता और स्थिरता को बढ़ावा देती है।

यूएनएसडीजी लक्ष्य		बीओआई की प्रमुख गतिविधियां
	गरीबी हटाना	• सामुदायिक विकास संगठनों के लिए वित्तीय सहायता। • स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। • वित्तीय समावेशन की सुविधा प्रदान करता है।
	भूख की समस्या को दूर करना	• सीएसआर फंडिंग का 28% स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित है • वित्तीय समावेशन की सुविधा प्रदान करता है।
	अच्छा स्वास्थ्य और जीवनस्तर	• एमएसएमई सेगमेंट के तहत स्वास्थ्य सेवा इकाइयों को सहायता • सीएसआर फंडिंग का 28% स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित है
	गुणवत्तापूर्ण शिक्षा	• कौशल विकास के लिए ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरएसईटीआई) कार्यक्रम • बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान का समर्थन करने वाली स्टार एंजेल योजना। • कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए शैक्षिक संस्थानों के साथ सहयोग। • वित्तीय साक्षरता और ऋण परामर्श केंद्रों के माध्यम से लोगों को सलाह दी।
	लैंगिक समानता	• हमारे कार्यबल और बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में वृद्धि • सभी वित्तीय उत्पादों में एक चौथाई से अधिक ग्राहक महिलाएं हैं • महिला सशक्तिकरण के लिए नारी शक्ति बचत खाते की शुरुआत • हमारे संगठनों के साथ-साथ अनुषंगियों में महिला कर्मचारियों के लिए विशेष कार्यक्रम और पहल • स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता दी जहां प्रमुख लाभार्थी महिलाएं हैं
	स्वच्छ पानी और स्वच्छता	• सीएसआर फंडिंग का 28% स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित है • विभिन्न खंडों के तहत नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का वित्तपोषण
	सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा	• उत्सर्जन तीव्रता में कमी और ग्रीन बॉन्ड में निवेश • विभिन्न खंडों के तहत नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का वित्तपोषण • उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों के लिए साउथ ईस्ट एशियन होटल चेन को वित्तपोषित किया

	अच्छा काम और आर्थिक विकास	• वित्तपोषण और ऋण सुविधा के माध्यम से एमएसएमई के लिए समर्थन • विभिन्न वित्तीय उत्पादों के माध्यम से कृषि क्षेत्र को समर्थन • वित्तीय साक्षरता संगोष्ठियों का आयोजन किया
	उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा	• डिजिटल ऋण सहित डिजिटल परिवर्तन पहल • ग्रीन बॉन्ड और नवीकरणीय ऊर्जा जैसी स्थायी परियोजनाओं का वित्तपोषण
	असमानता में कमी	• समाज के विभिन्न वर्गों जैसे विकलांग व्यक्तियों, वंचित वर्ग को वित्तीय सहायता
	टिकाऊ शहर और सामुदाय	• आवास, कृषि और एमएसएमई के लिए प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र ऋण
	जिम्मेदारी के साथ उपभोग और उत्पादन	• बैंक एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को प्रतिबंधित करता है, जागरूकता को बढ़ावा देता है और प्लास्टिक की वस्तुओं को रीसाइकल करता है। • स्रोत पर ही गीले और सूखे कचरे को अलग करना, रीसाइक्लिंग और बिक्री को बढ़ावा देना
	जलवायु कार्रवाई	• उत्सर्जन तीव्रता में कमी लाना और ग्रीन बॉन्ड में निवेश
	पानी के नीचे जीवन	• एक वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी की नवीकरणीय ऊर्जा की उपभोग और स्वच्छ पानी की उपभोग में कमी का वित्तपोषण करते हैं।
	भूमि पर जीवन	• उत्सर्जन तीव्रता में कमी लाना और ग्रीन बॉन्ड में निवेश • विभिन्न खंडों के तहत नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं का वित्तपोषण • उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों के लिए साउथ ईस्ट एशियन होटल चेन का वित्तपोषण किया
	शांति, न्याय और मजबूत संस्थान	• कर्मचारी प्रशिक्षण के लिए शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग
	लक्ष्य प्राप्ति के लिए साझेदारी	• स्थायी वित्त पहल के लिए वित्तीय संस्थाओं के साथ सहयोग • मुद्रा योजना जैसी सरकारी योजनाओं का निष्पादन

आर्थिक विकास में तेज़ी लाने के लिए एमएसएमई का समर्थन करना

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार हैं और नवाचार, रोजगार और आर्थिक विकास को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विश्व बैंक के अनुसार, एसएमई ने ~90% व्यवसायों का गठन किया और वैश्विक स्तर पर 50% से अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न किए। एमएसएमई मंत्रालय द्वारा जारी एमएसएमई वार्षिक रिपोर्ट 2022-23 के अनुसार, भारत में एमएसएमई का भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 30% हिस्सा है और ~11 करोड़ व्यक्तियों को रोजगार मिला है।

चित्र में : भारतीय अर्थव्यवस्था में एमएसएमई का योगदान 2

Source: MSME Annual Report 2023

भारत में कुल बकाया ऋण में एमएसएमई ऋणों की बढ़ती हिस्सेदारी

क्रिसिल के विश्लेषण से एमएसएमई ऋण की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय वृद्धि का संकेत मिलता है। वित्त वर्ष 2024 में, एमएसएमई ऋण भारत में कुल ऋण का 17-19% था, जबकि वित्त वर्ष 2023 में यह 14% था। क्रेडिट की यह लगातार बढ़ती हिस्सेदारी एमएसएमई के लिए एक अनुकूल गति का संकेत देती है, जो व्यापार विस्तार और आर्थिक विकास को चलाने में योगदान देती है।

यूके सिन्हा विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए 2022 में वित्त संबंधी स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 20- 25 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित एमएसएमई ऋण अंतर का सामना करना पड़ रहा है।

चित्र में :कुल ऋणों में एमएसएमई की हिस्सेदारी और वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि

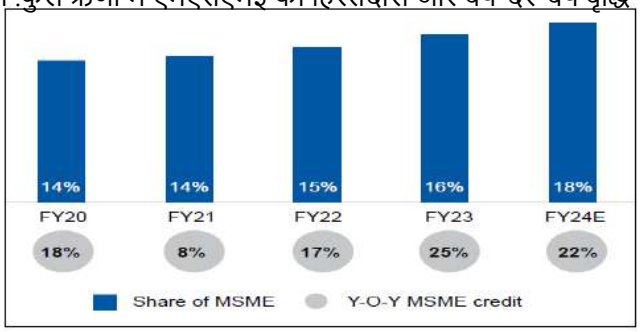

वित्त वर्ष 2024 में बैंकों ने कुल एमएसएमई ऋण का अनुमानित 75% हिस्सा लिया।

1 World Bank report, 2019
2 MSME 2023
* Total credit comprises the combined credit from both banks and NBFCs.
3 Standing Committee on Finance report in 2022
4 Pradhan Mantri Mudra Yojana, 2023, PMMY Report

चित्र में : वित्त वर्ष 2024 में एमएसएमई ऋणों में बैंकों की हिस्सेदारी

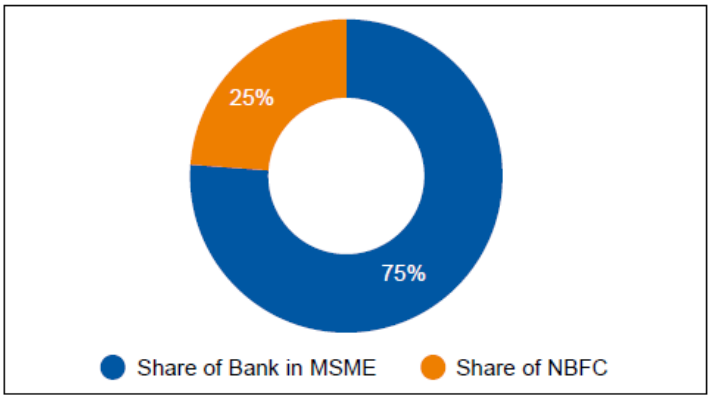

Source: CRISIL MI&A Research

भारत के एमएसएमई ऋण में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, 2015 (पीएमएमवाई) से सार्थक योगदान

वित्त वर्ष 2024 में एमएसएमई ऋण का 12- 16% हिस्सा है मुद्रा ऋण, जो संपार्श्विक-मुक्त हैं और 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं, ।

मुद्रा ऋण के माध्यम से औपचारिक ऋणों में वित्त वर्ष 2019-2024 में ~ 1.6 गुना वृद्धि हुई है

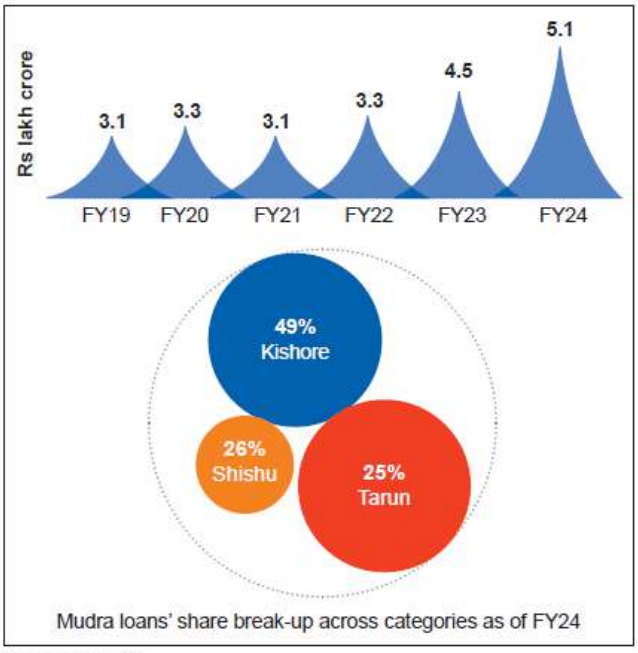

Source: PMMY

Notes:
1) Shishu: covering loans up to Rs 50,000
2) Kishor: covering loans above Rs 50,000 and up to Rs 5 lakh
3) Tarun: covering loans above Rs 5 lakh and up to Rs 10 lakh

बीओआई का एमएसएमई क्रेडिट व्यवसायों को सशक्त बनाता है

हम एमएसएमई सेक्टर की जरूरतों को स्वीकार करते हैं, जो वित्त वर्ष 2024 में 10.9% से 78,533 करोड़ रुपये की क्रेडिट वृद्धि से प्रमाणित होता है। वित्त वर्ष 2024 तक कुल घरेलू ऋण में हमारा एमएसएमई क्रेडिट शेयर 16% रहा।

चित्र में : वित्त वर्ष 2024 में हमारे एमएसएमई ऋणों के माध्यम से प्रदत्त सहायता

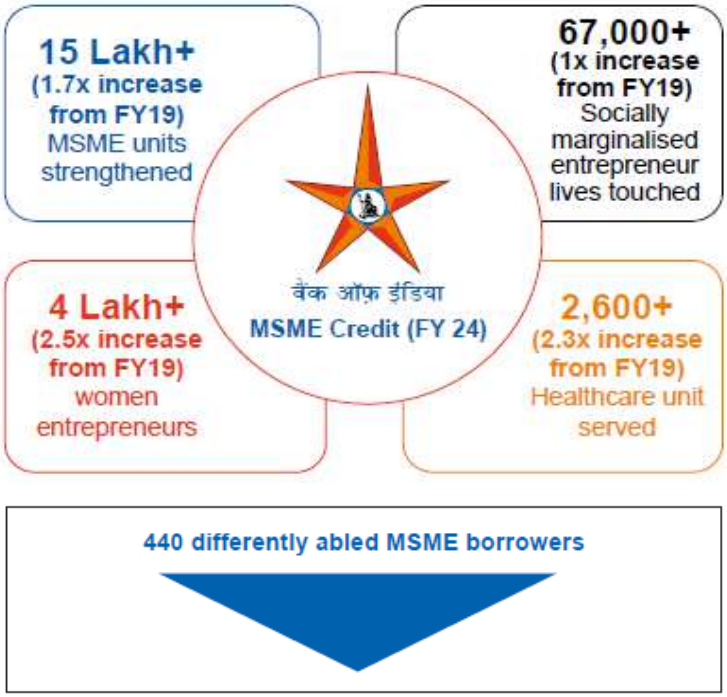

Notes: As of FY24

हमने वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने, भारत के अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में इकाइयों तक पहुंचने के लिए शहरी केंद्रों से परे एमएसएमई ऋण का विस्तार किया।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में कुल एमएसएमई इकाइयों का 55% हिस्सा है

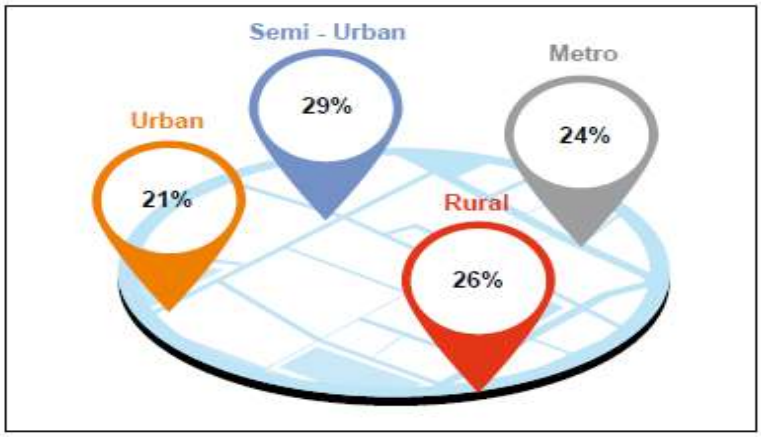

हमारा एमएसएमई वित्तपोषण स्पेक्ट्रम

हमारा एमएमएसई क्रेडिट काफी हद तक सेवा क्षेत्र की ओर है और अधिकांश ऋण सूक्ष्म इकाइयों को प्रदन की गई हैं।

वित्तीय 2024 में हमारा एमएसएमई ऋण संवितरण

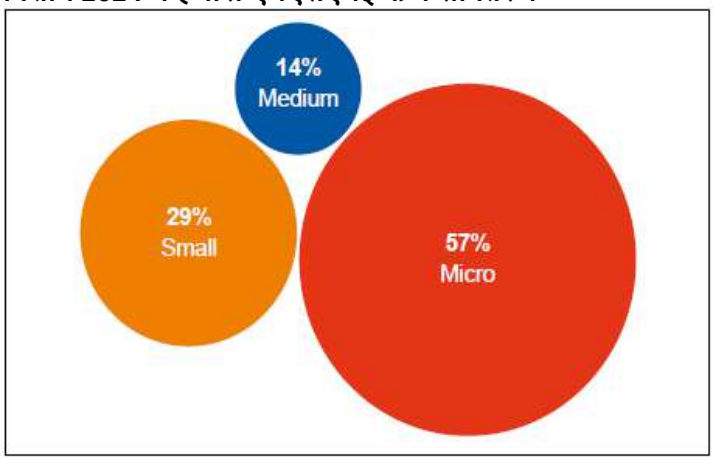

एमएसएमई का गतिविधि-वार हिस्सा (खाते की संख्या के आधार पर)

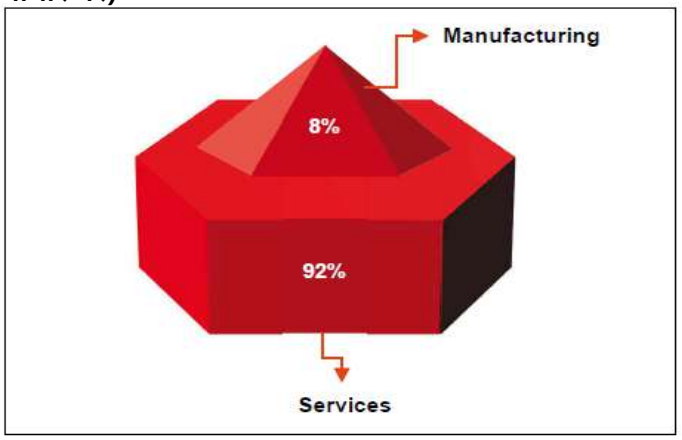

बीओआई-वित्तपोषित एमएसएमई इकाइयों ने वृद्धि दर्ज की है, जैसा कि ऋण बढाने के अनुरोधों से स्पष्ट है

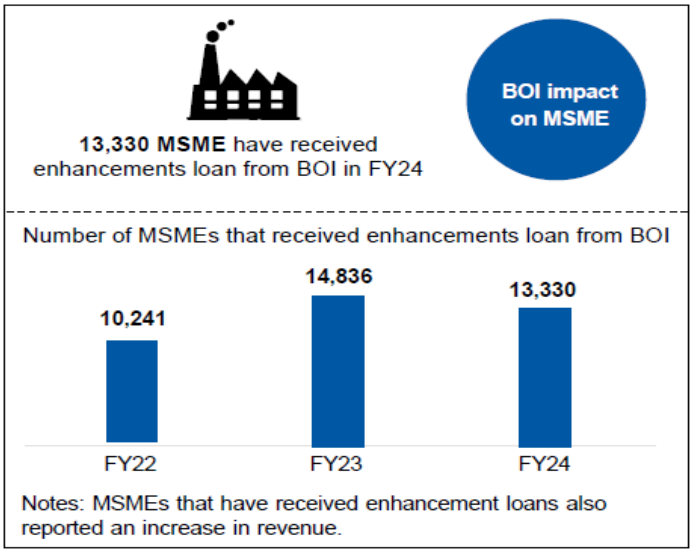

मुद्रा ऋण हमारे एमएसएमई ऋण में एक बड़ा योगदानकर्ता है

Pradhan Mantri mudra Yojna	वित्तीय वर्ष 2024 तक, मुद्रा एमएसएमई ऋणों में हमारे कुल एमएसएमई खातों का 79% शामिल था, जिसमें 12.4 लाख एमएसएमई मुद्रा ऋण प्राप्त कर रहे थे।

पीएम स्वनिधि के माध्यम से "51 हज़ार+ स्ट्रीट वेंडरों की सहायता की।"

PM SVANidhi	वित्तीय वर्ष 2024 में, पीएम स्वनिधि योजना के तहत कुल 51,000 से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स की सहायता की।

सफलता की कहानियां
बीओआई ने किस प्रकार इनकी सफलता में योगदान दिया:

चाफेकर प्रेस टूल्स, महाराष्ट्र

चाफेकर प्रेस टूल्स, मूल रूप से विद्युत स्विचबोर्ड ढालने वाला एक **छोटा सा ग्रामीण** उद्यम था। इस उद्यम को बीओआई की ओर से नकद ऋण सुविधा के रूप में रु.**3** लाख की सहायता प्राप्त हुई। **इस सहायता से कंपनी को व्यापार संचालन और संवर्धन कर व्यापार को बढ़ाने में मदद मिली।**

जैसे इसका कारोबार बढ़ा, बीओआई ने नकद ऋण सुविधा बढ़ाकर रु.300 **लाख कर दी। मधुकर चाफेकर द्वारा स्थापित, चाफ़ेकर प्रेस टूल्स अब उद्योग क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित नाम है। यह उद्यम स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है और तीन पीढ़ियों से स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान दे रहा है।**

होटल दलखाई, संबलपुर, ओडिशा

मुक्तारानी दास ने आईटीआई कॉलेज में पैक भोजन की आपूर्ति कर अपना व्यवसाय शुरू किया था। **मुद्रा योजना के तहत बीओआई से प्राप्त रु.1.5 लाख की वित्तीय सहायता** के साथ, उन्होंने एक बड़ी छलांग लगाई और अपने उद्यम का विस्तार कर 'होटल दलखाई' की स्थापना की।
अब, **तीन नए स्टाफ सदस्यों के साथ**, उनका होटल भरपूर हलचल से युक्त रहता है। **दास का व्यवसाय अब सुचारु और स्थिर रूप से निरंतर सुनिश्चित आय के साथ चल रहा है।**

ओंकार धोंडीराम पाटिल, हतकनंगले, कोल्हापुर

ओंकार धोंडीराम पाटिल महाराष्ट्र के अर्ध-शहरी क्षेत्र में **एक छोटे- से व्यवसाय के मालिक** थे।
पाटिल ने अपने व्यवसाय के लिए मशीनरी खरीदने और कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करने के लिए वित्तीय सहायता हेतु बीओआई से संपर्क किया। बीओआई ने रु.27 लाख (नकद ऋण के रूप में रु.2 लाख और मशीनरी की खरीद के लिए रु. 25 लाख) की पेशकश की।
अब पाटिल एक विनिर्माण इकाई, 'मेसर्स पॉपुलर कोर मेनुफेक्चरर' के मालिक हैं और रु.70,000 की मासिक आय अर्जित करते हैं। कंपनी ने आस-पास के क्षेत्र के पांच लोगों को रोजगार दिया है, जो अपने परिवार का भरण-पोषण करने लायक पर्याप्त कमा लेते हैं।

बेहतर जीवनयापन के लिए गृह निर्माण

भारत में आवास की मांग में वृद्धि, तेजी से हो रहे शहरीकरण, उभरती प्रयोज्य आय वाली बढ़ती युवा आबादी, एकल परिवारों की बढ़ती संख्या और टियर 2 और टियर 3 शहरों में घरों की बढ़ती मांग के कारण हो रही है।

फिर भी, वर्ष 2022 में भारत का गृह ऋण (होम लोन) बुक-टू-जीडीपी अनुपात 11% है, जो अविकसित आवास वित्त क्षेत्र (हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर) को दर्शाता है, जो कि चीन, मलेशिया और सिंगापुर जैसी अन्य एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के बिल्कुल विपरीत है। यह हाउसिंग फाइनेंस स्पेस में विकास की महत्वपूर्ण संभावनाओं को रेखांकित करता है।

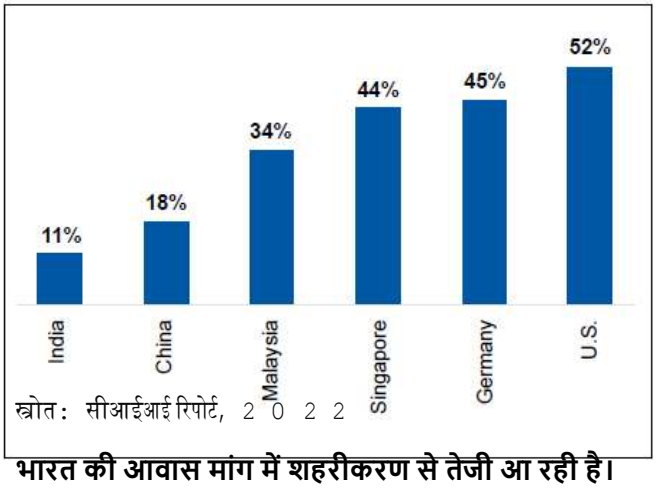

भारत की आवास मांग में शहरीकरण से तेजी आ रही है।

क्रिसिल एमआई एंड ए अनुसंधान के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में भारत के हाउसिंग फाइनेंस सेक्टर की होम लोन बुक रु.34,000-35,000 अरब थी, जिसमें बैंकों की 80% हिस्सेदारी थी।

आवास के लिए बीओआई ऋण: लक्ष्य की ओर अग्रसर

हमारी ऋण पुस्तिका भारत में आवास की बढ़ती मांग के अनुरूप है। वित्त वर्ष 2024 में हमारा गृह ऋण बकाया पांच वर्ष की सीएजीआर के 13% से बढ़कर रू.59,107 करोड़ हो गया है। वास्तव में, मार्च 2024 तक, गृह ऋण खाता हमारे कुल खुदरा अग्रिम का 53% हो गया है।

इसके अतिरिक्त, गृह ऋण बकाया का एक तिहाई से अधिक का भाग प्राथमिकता क्षेत्र में ऋण देने के लिए निर्देशित किया गया है, जिससे कम आय वाले समूह के व्यक्तियों को आवास प्राप्त हो सके।

3.8 lakhs+
individuals provided home loans till FY24
~4%
Growth over FY19-24

25,000+
(6.5%) first-time home loan borrowers in FY24
~19%
Growth over FY19-24

2.8 lakhs+
individuals provided **priority sector home loans** till FY24

Inclusive approach across segments of society

86,000+
Female borrowers availed home loans till **FY24**
7% CAGR
over FY19-FY24

5,600+
Total first-time women home buyers till FY24
18% CAGR
over FY19-FY24

कृषि क्षेत्र में वृद्धि का समर्थन

भारत में कृषि क्षेत्र प्राथमिक रूप से नियोक्ता के तौर पर स्थापित है। लगभग **55%** आबादी कृषि और संबद्ध गतिविधियों में लगी हुई है, वित्त वर्ष 2023[6] में देश के सकल मूल्य में इस क्षेत्र का **~18%** का योगदान है। वास्तव में, पश्चवर्ती और अग्रवर्ती संबद्धता के कारण अन्य क्षेत्रों की वृद्धि तथा समग्र अर्थव्यवस्था बहुत हद तक कृषि क्षेत्र के प्रदर्शन पर निर्भर करती है।

भारत ने पिछले कई दशकों[8] में खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। यह दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश है और चावल उत्पादन में इसका #2 स्थान है। इसके अतिरिक्त, देश गेहूं के दूसरे सबसे बड़े उत्पादक के रूप में श्रेणीबद्ध है, जो वर्ष 2020 में दुनिया के कुल उत्पादन का ~14% है।

चित्रा 11 : खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि

बीओआई की कृषि संबंधी पहलों में फसलों के अलावा भी बहुत कुछ शामिल है

वित्त वर्ष 2019 और 2024 के मध्य हमारी कुल कृषि ऋण पुस्तिका 12% सीएजीआर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में रू.87,486 करोड़ हो गई है।

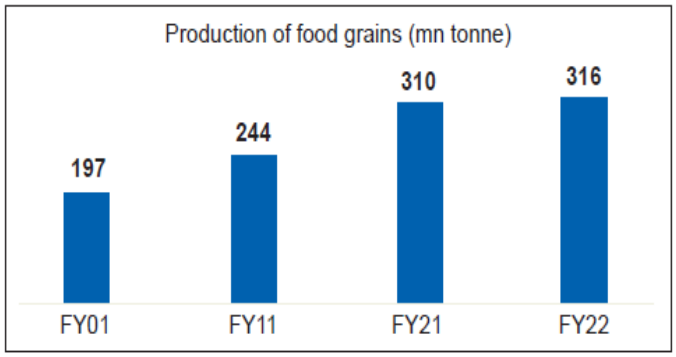

[6] कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
[7] एनएसओ सर्वेक्षण
[8] कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

37 lakh+ Total lives touched through agriculture-related financial products as of FY24. This includes farmers and individuals financed under SHGs.

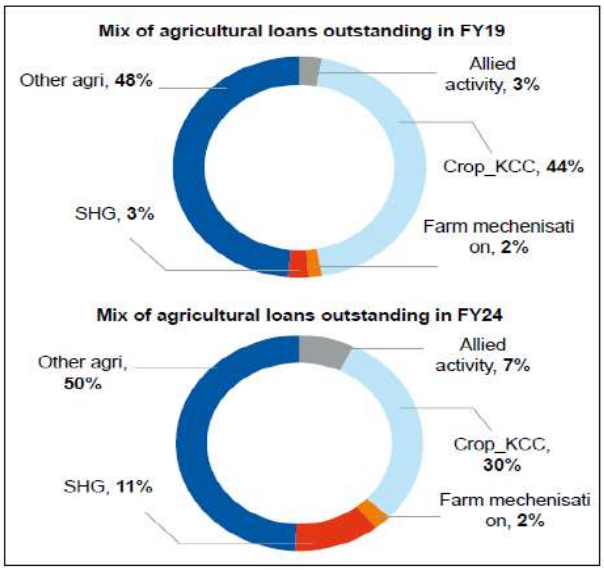

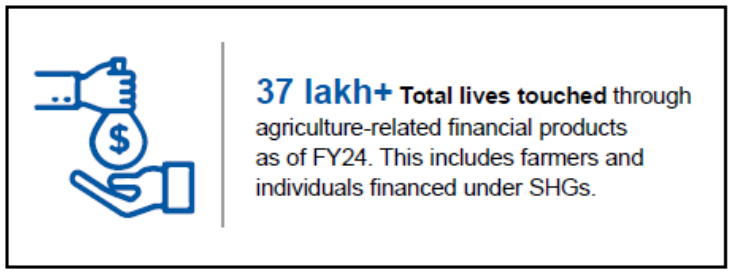

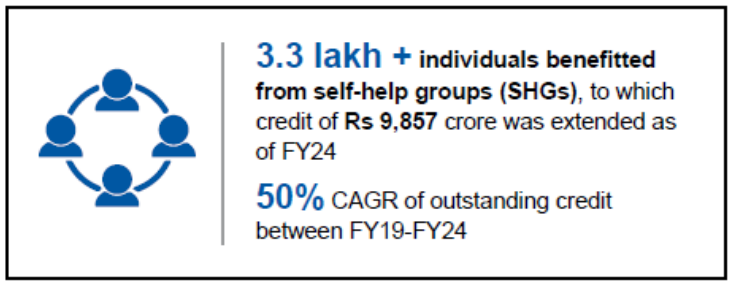

3.3 lakh + individuals benefitted from self-help groups (SHGs), to which credit of **Rs 9,857** crore was extended as of FY24

50% CAGR of outstanding credit between FY19-FY24

सफलता की कहानियां

महिला उद्यमियों के नेतृत्व से कृषि पर निर्भरता कम होना

वर्ष 2016 में स्थापित, मेसर्स सत्य साईं स्वशक्ति संगम की स्थापना **10 महिलाओं** द्वारा की गई थी, जो अपने छोटे व्यवसाय शुरू करके अपने परिवार को संबल प्रदान करना चाहती थीं।

गुजरात के गांधीनगर के नलगोंडा शहर की ये महिलाएँ एक साथ आईं और वर्ष 2016 में इन्होंने मिलकर एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) का गठन किया, जिससे वे बैंक से ऋण प्राप्त करने में सक्षम हुई। उन्होंने हाल ही में अपने व्यवसायों में निवेश करने और उन्हें बढ़ाने के लिए **रू.10 लाख (प्रत्येक सदस्य को रू.1 लाख) का अपना चौथा ऋण** लिया है।

सभी सदस्य महिलाएं अपनी छोटी व्यावसायिक इकाइयां जैसे कि **टेलरिंग, जनरल स्टोर, सब्जी बेचने वाले स्टॉल और फोटोकॉपी एवं प्रिंटिंग की दुकानें** सफलतापूर्वक चला रही हैं। इस प्रकार, बैंक से प्राप्त ऋण की सहायता से ये महिलाएँ सफल हो पाई हैं और इन्होंने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है।

सफलता की कहानियां : बीओआई ने किस प्रकार इनकी सफलता में योगदान दिया

ग्रामीण महिलाओं का सशक्तिकरण: संजीवनी महिला बचत गैट की कहानी

कुल 361 परिवारों की 1,717 आबादी वाला आप्तुर गांव, मुख्य रूप से आय के लिए कृषि पर निर्भर था।

एक शिक्षित ग्रामीण, ज्योति प्रमोद तगड़े ने उद्यमिता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की संभावना को महसूस किया।

वर्ष 2008 में, उन्होंने 10 सदस्यों के साथ एक स्वयं सहायता समूह (एसएचजी), संजीवनी महिला बचत गत की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य **बचत और आंतरिक ऋण पर ध्यान केंद्रित करना था**। उनकी नेतृत्व क्षमताओं को पहचानते हुए, तगड़े समूह ने वर्ष 2019 में **संजीवनी रेडीमेड गारमेंट्स** के रूप में परिवर्तन किया और उद्यम प्रारंभ करने के लिए बैंक ऑफ बड़ौदा से **रू. 3 लाख का ऋण** प्राप्त किया। कंपनी ने शुरुआत में स्कूल यूनिफॉर्म सिलना शुरू किया और बाद में महामारी के दौरान मास्क का उत्पादन शुरू किया।

पहले प्रयास की सफलता ने समूह को हमारी उमरेद शाखा से ऋण लेने के लिए प्रेरित किया, जिसने वर्ष 2022 में **पीएमएमवाई योजना के तहत रु. 8 लाख का सावधि ऋण** देने की पेशकश की। विस्तारित संचालन के साथ, **यह एसएचजी अब 29 सदस्यों को रोजगार देता है और जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) के साथ मिलकर एससी/एसटी महिला सदस्यों को प्रशिक्षित** करता है। इसकी योजना इस भागीदारी के माध्यम से **600-700 महिलाओं को रोजगार** देने की है। तगड़े की कहानी, ग्रामीण जनता में जमीनी (आधारभूत) स्तर पर उद्यमिता के प्रभावशील परिवर्तन को दर्शाती है।

हमारे किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को सहायता प्रदान करना

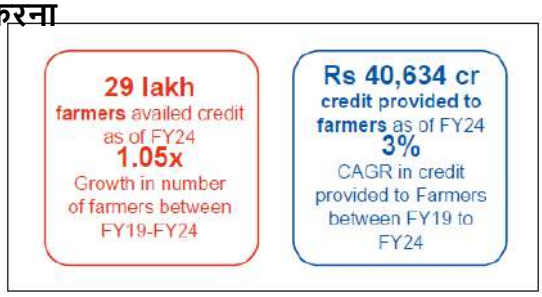

हमारा किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) किसानों को कृषि और संबद्ध गतिविधियों, जिसमें गैर-कृषि गतिविधियां भी सम्मिलित हैं, के लिए अनुकूलित ऋण सहायता प्रदान करता है। फसल उत्पादन के लिए केसीसी के तहत, किसानों को फसल की खेती और कार्यशील पूंजी के लिए व्यापक ऋण सहायता मिलती है।

वित्त वर्ष 2024 तक 21 लाख से अधिक व्यक्तियों ने केसीसी के तहत लाभ उठाया है, जो कि वित्त वर्ष 2019 और 2024 के बीच 2% का सीएजीआर दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024 तक इन ऋणों की बकाया राशि रु. 27,813 करोड़ है और इसमें वित्त वर्ष 2019 और 2024 के बीच 4% की सीएजीआर की वृद्धि हुई है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2024 तक कुल लाभार्थियों में से महिलाओं के खाते 19% हैं।

बीमा प्रदान कर किसानों की आजीविका की रक्षा करना

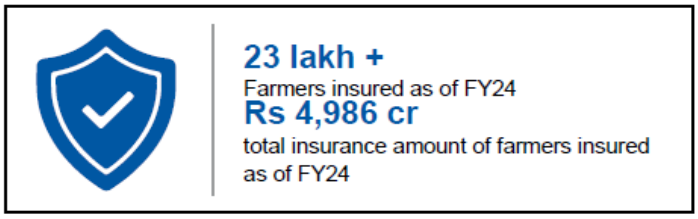

समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी (संयुक्त) दृष्टिकोण

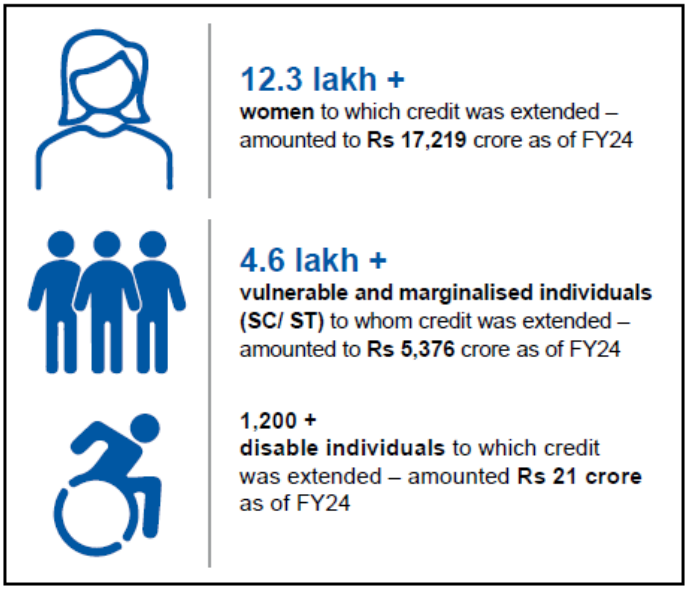

हम न केवल वित्तीय उत्पादों के माध्यम से बल्कि विभिन्न सरकारी योजनाओं, पहलों एवं सुविधाओं के माध्यम से भी कृषि क्षेत्र की सहायता करते हैं, जैसा कि :

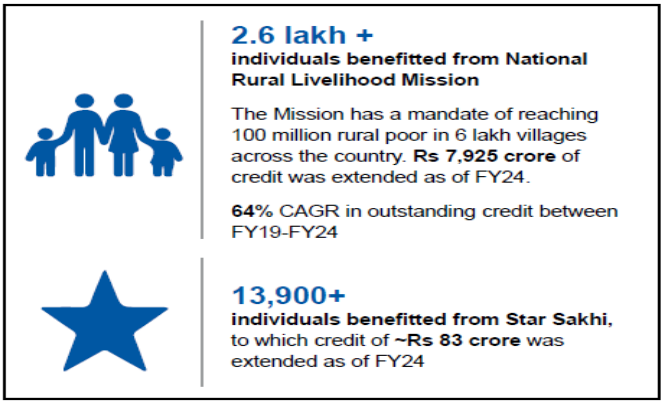

सफलता की कहानियां

बीओआई ने किस प्रकार इनकी सफलता में योगदान दिया

कृषि उद्यमिता के लिए सहायता

हमने एक किसान और हमारी मारुति मंदिर शाखा के मौजूदा ग्राहक, श्री देवेंद्र ज्ञानेश्वर जापडेकर के कृषि व्यवसाय की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। **कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) योजना,** (मध्यम से दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण सुविधा प्रदान कर) के माध्यम से हमने सही समय पर और समस्या रहित वित्तीय सहायता प्रदान की, जिससे उन्हें फसल कटाई के बाद प्रबंधन अवसंरचना स्थापित करने और सामुदायिक कृषि आस्तियां बनाने के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश करने में सहायता मिली।

हमारे मार्गदर्शन और सहायता से, जापडेकर **आम पकाने वाला एक नया कक्ष स्थापित करने में सक्षम हुए, जिससे न केवल उनकी अपनी खेती को लाभ हुआ, बल्कि रत्नागिरी और आस-पास के गांवों में साथ के अन्य आम के किसानों को कस्टम हायरिंग सेवाएं भी प्रदान की गईं।**
हमने **परियोजना लागत** हेतु बिना किसी संपार्श्विक सुरक्षा के **रु.10 लाख** का ऋण संवितरित किया, चूंकि जापडेकर के **किसान क्रेडिट कार्ड की रू. 47 लाख की सीमा** पहले से ही हमारी बुक में नियमित थी।

जापडेकर का आम पकाने वाले कक्ष का संचालन बहुत सफल रहा, जिससे उनकी और अन्य आम उत्पादकों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। यह सफलता की कहानी, कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने और किसानों को उनके प्रयासों में आत्मनिर्भर बनाने एवं सतत विकास करने में उन्हें सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

जापडेकर ने एआईएफ योजना के तहत उद्यमिता विकास कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के साथ बातचीत की और कृषि नवाचार और ग्रामीण विकास पर हमारी सहायता के सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डाला।

विकास में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देना

विश्व आर्थिक मंच के अनुसार, वित्त वर्ष 2023 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महिलाओं का योगदान 18% है, कार्यबल और उद्यमिता में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी आर्थिक विकास, नवाचार और सामाजिक उन्नति का संकेत देती है, जो राष्ट्रीय विकास के लिए आवश्यक है। लैंगिक समानता और आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भारत की स्थिति, श्रम शक्ति भागीदारी दर में महिलाओं की हिस्सेदारी वर्ष 2018 में 17.5% से बढ़कर वर्ष 2022 में 24.8% होने से प्रत्यक्ष रूप से स्पष्ट है।

Figure: India's labour force participation rate (LFPR) for women rising

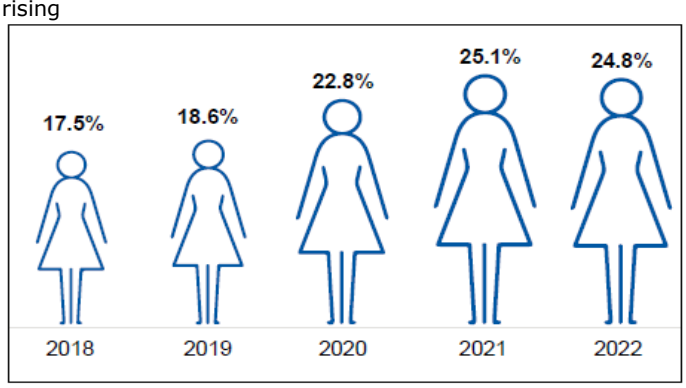

Source: MOSPI report Women[10]

यद्यपि भारत में महिला श्रमबल की भागीदारी वैश्विक मानकों से कम है, फिर भी यह विकास के लिए महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करती है।

चित्र में : विश्वभर में महिला कार्यबल सहभागिता, 2022

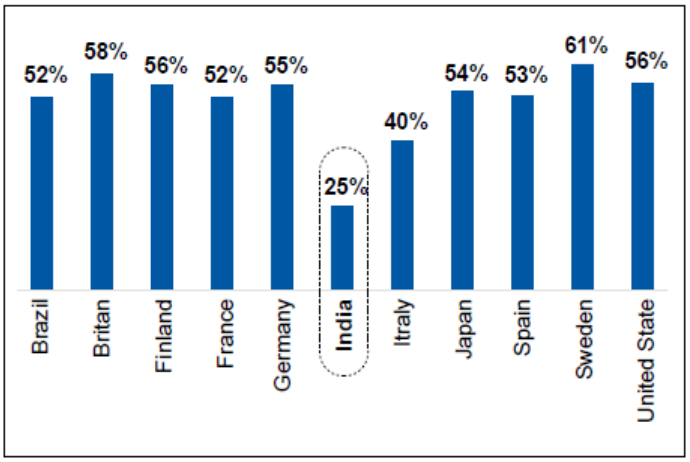

Source: World Bank, 2022[11]

सभी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती सहभागिता

क्रिसिल द्वारा भारत में 950 सूचीबद्ध कंपनियों के विश्लेषण से पता चलता है कि कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी वित्त वर्ष 2020 में 11.1% से बढ़कर वित्त वर्ष 2022 में 12.1% हो गई है, जो लैंगिक समावेशिता और आर्थिक विकास की दिशा में एक क्रमिक प्रवृत्ति को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 2022 में कंपनी बोर्ड में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 18% था।

चित्र : 15 : भारत के स्टार्टअप में महिलाओं का बढ़ता प्रभाव12

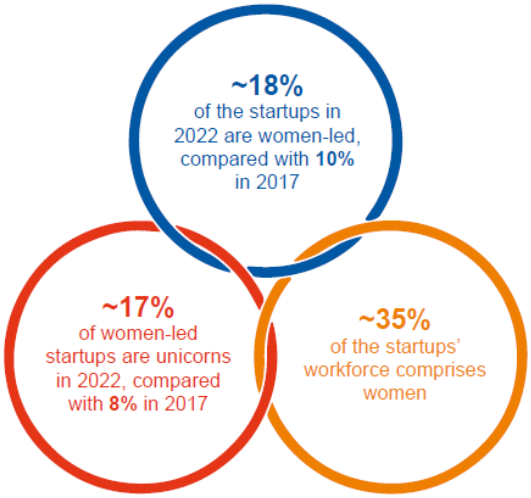

इसके अतिरिक्त, मंत्रालयों में महत्त्वपूर्ण पदों पर महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति और चुनावी भागीदारी में उनका बढ़ता स्तर, लैंगिक समानता और समावेशी शासन की दिशा में प्रगति को दर्शाता है।

चित्र 16 : केंद्रीय मंत्रीमंडल में महिलाएं

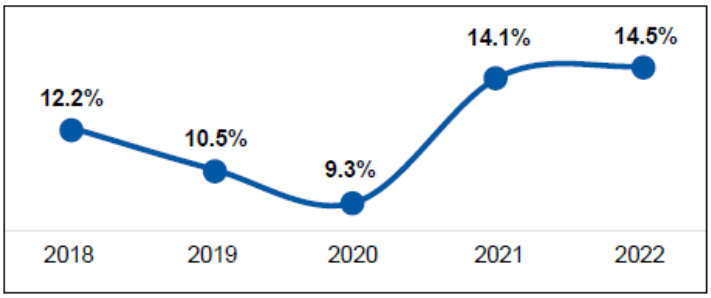

चित्र 17 : महिला मतदाताओं की सहभागिता

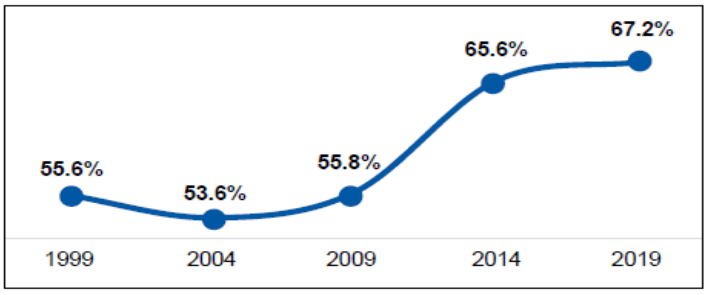

स्त्रोत : एमओएसपीआई रिपोर्ट[13]

[9] आर्थिक मंच, 2024
[10] एमओएसपीआई रिपोर्ट, 2022
[11] विश्व बैंक, 2022
[12] वाइजर वुमेन इन इंडिया स्टार्टअप ईकोसिस्टम, 2023
[13] एमओएसपीआई रिपोर्ट, 2022

महिलाओं के लिए बीओआई द्वारा किए गए उपाय: उचित भागीदारी बढ़ाना

हम महिला सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय आंदोलन चला रहे हैं। कुल कार्यबल में महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी वर्ष 2019 में 26% से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 29% हो गई है। वित्त वर्ष 2024 तक, हमारे यहाँ 14,826 महिलाएं कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त, एक स्वतंत्र महिला निदेशक के साथ-साथ, हमारे बोर्ड में एक महिला सदस्य भी सम्मिलित हैं, जो कि इस क्षेत्र में औसत भागीदारी के बराबर, कुल बोर्ड सदस्यों का 10% है।

हमारे कार्यबल में महिला कर्मचारियों की हिस्सेदारी बढ़ रही है

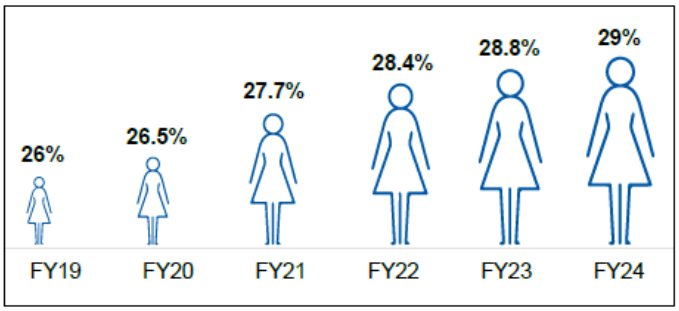

बैंक की महिला कर्मचारियों के लिए निम्नलिखित प्रमुख पहलें:	
	विराम (सबैटिकल) अवकाश महिला कर्मचारी 3 माह से 2 वर्ष तक का विराम अवकाश ले सकती हैं। वित्त वर्ष 24 में 60% महिलाएं सबैटिकल लीव के बाद कार्य पर लौटीं हैं।
	होम-जोन स्थानांतरण महिला कर्मचारियों को स्थानांतरण में प्राथमिकता दी जाती है।
	बच्चों की देखभाल संबंधी सुविधाएं बच्चों की देखभाल संबंधी सुविधाओं पर व्यय की प्रतिपूर्ति के रूप में पाँच वर्षों तक रु. 3,000 प्रति माह (प्रति बच्चा) प्रदान किए जाते हैं
	माताओं हेतु परामर्श कार्यक्रम महिला कर्मचारियों के लिए प्रसूति-पश्चात परामर्श कार्यक्रम किए जाते हैं, जिनका उद्देश्य महिला कर्मचारियों के कार्य-जीवन संतुलन को पुनः स्थापित करना है।

हमारी अनुषंगियों की पहल

हमारी अनुषंगियों में भी महिला सशक्तिकरण के लिए ऐसी ही कहानियां सामने आती हैं। उदाहरण के लिए, बीओआई मर्चेंट बैंकर्स लिमिटेड, बैंक ऑफ इंडिया इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स प्राइवेट लिमिटेड और सुड लाइफ में लैंगिक विविधता सीमा 20-26% के बीच है, जो मुख्य तौर पर हमारे लैंगिक विविधता अनुपात के अनुरूप है।

इसके अतिरिक्त, सुड लाइफ महिला कर्मचारियों को सहायता देने के लिए विशेष कार्यक्रम प्रस्तावित करता है, जिसमें सम्मिलित हैं:

	ऊर्जा - महिला सशक्तिकरण मंच ऐसे मुद्दों/पहलों पर चर्चा करने का मंच है, जो हमारी महिला सहकर्मियों को उनके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाता है।
	मातृत्व सुरक्षा और बचाव (कवर) मातृत्व सुरक्षा और प्रदर्शन सुरक्षा, महिलाओं हेतु निर्बाध भूमिका परिवर्तन एवं कार्य निर्वहन सुनिश्चित करते हैं, साथ ही कार्यबल चुनौतियों और पारिवारिक आवश्यकताओं के बीच महिला की प्रतिभा को बनाए रखने में सहायता करते हैं।

विभिन्न वित्तीय उत्पादों के अतिरिक्त, हम समय-समय पर विभिन्न पहलों एवं नवोन्मेषी कार्यों के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हैं।

कुछ प्रमुख पहलों में निम्नलिखित शामिल हैं

संपूर्ण स्वास्थ्य शिविर

योग संस्थान, मुंबई के सहयोग से, हमने बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी), स्टार हाउस I और II में सभी महिला कर्मचारियों के लिए एक समग्र स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। शिविर का आयोजन महिला कर्मचारियों को दैनिक जीवन में सरल योगासनों का अभ्यास करवाने और स्वास्थ्य के बारे में उनमें जागरूकता पैदा करने के लिए किया गया।

बैंक में नेतृत्व स्थान पर आसित महिलाओं हेतु सम्मेलन

हमारे मुख्यालय द्वारा दिनांक 8 जनवरी, 2023 से 10 जनवरी, 2023 तक पूरे भारत की 38 महिला कार्यपालकों (सहायक महाप्रबंधक एवं उससे उच्च स्तर के अधिकारियों) के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य, हमारे संगठन में महिला कार्यपालकों को सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन लाने के लिए खुद को सशक्त बनाना और इस महत्वपूर्ण भूमिका को निभाने में उन्हें सक्षम बनाने हेतु प्रोत्साहित करना, प्रेरित करना और परिवर्तन हेतु जागरुक करना था।

इमोशनल वेलनेस' पर सत्र

हमने 'इमोशनल वेलनेस' पर एक सत्र का आयोजन किया, जिसमें राइट2राइज़ की संस्थापक और पॉश-पॉस्को, मानवाधिकारों की जानकार एवं प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, साथ ही हार्वर्ड एडएक्स से 'नारी शक्ति पुरस्कार 2019' की प्राप्तकर्ता डॉ. रैना खत्री टंडन द्वारा सत्र का संचालन किया गया। इस पहल का उद्देश्य तनाव प्रबंधन और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को रेखांकित करना था।

सफलता की कहानियां
बीओआई ने किस प्रकार इनकी सफलता में योगदान दिया

संस्था में महिलाओं का सशक्तिकरण

हमारे संगठन की एक स्टाफ अधिकारी सुश्री निखत जरीन ने मई 2021 में बैंक में भर्ती होने के बाद से मुक्केबाजी में असाधारण प्रदर्शन किया है। खेलों में उनकी उपलब्धियों में हमारा समर्थन महत्वपूर्ण रहा है। प्रतिष्ठित आयोजनों जैसे महिलाओं का आईबीए वर्ल्ड बॉक्सिंग चैम्पियनशिप 2022 और राष्ट्रमण्डल खेल 2022 में स्वर्ण पदक जीतना, उनकी प्रतिभा को दर्शाता है।

हमारे पहल जैसे नकद पुरस्कार, वेतन वृद्धि और पदोन्नति, उसकी उपलब्धियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत करते हैं। इस तरह का समर्थन उसे आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। इन पहलों के माध्यम से, हम न केवल प्रतिभा का पोषण करते हैं बल्कि खेल को बढ़ावा देने और व्यक्तियों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का भी प्रमाण देते हैं।

संस्था में महिलाओं का सशक्तिकरण

सिमरनजीत कौर, जो एक सफल तीरंदाज़ हैं और जिन्होंने कई पदक अपने नाम किए हैं, अपनी असाधारण खेल उपलब्धियों के बल पर हमारे बैंक में भर्ती हुईं। **उनकी प्रतिभा और क्षमता को पहचानते हुए, हमने उनके एथलेटिक प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किया। सिमरन को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए हमसे वित्तीय सहायता मिली।** बैंक में उनके काम काज के संबंध में **हमारी लचीली कार्य व्यवस्था** ने सिमरन को खेल के प्रति अपने जुनून के साथ अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को संतुलित करने के लिए सशक्त बनाया। यह प्रतिभा को पोषित करने और व्यक्तियों के लिए एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

महिलाओं का समर्थन करने के लिए हमारे पास अनेकों वित्तीय उत्पाद हैं

हमने महिलाओं की जरूरतों के अनुरूप एक उत्पाद, नारी शक्ति बचत खाता शुरू किया, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उनकी विविध वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करता है, विशेष सुविधाएं और रियायतें प्रदान करता है। ये शून्य-शेष खाते महिलाओं को प्रारंभिक जमा की आवश्यकता के बिना बैंकिंग सेवायेँ उपलब्ध कराते हैं।

इस योजना के माध्यम से मार्च 2024 तक रु. 81 करोड़ जमाराशि के साथ 71,000 से अधिक नारी शक्ति बचत खाते खोले गए।

नारी शक्ति बचत खाते में पेश की गयी सुविधाएं

टेबल 1 : महिला-उधारकर्ताओं का हमारा सशक्त आधार

क्षेत्र	Lives touched	Share of women in overall lives touched	Lending to women borrowers
एमएसएमई	4 lakh+	26%	Rs. 4,287 crore MSME credit to women as of FY24
कृषि	12.3 lakh+	33%	Rs. 17,219 crore Agri credit to women as of FY24
आवास	86,000+	22%	Rs. 13,263 crore Home Loan to Woman Borrower as of FY24

सफलता की कहानियां
बीओआई ने किस प्रकार इनकी सफलता में योगदान दिया

समाज में महिलाओं का सशक्तिकरण

श्रीमती मनीषा संतोष खड़के, जो पहले ओम इंडस्ट्रीज के साथ कार्यरत थीं, ने इंजीनियरिंग सामान, ऑटो पार्ट्स और घटकों के निर्माण के लिए **मौली इंडस्ट्रीज की स्थापना** की।

उन्होने **वित्तीय सहायता** के लिए **हमारी शिरोली शाखा में आवेदन किया**, जिसके बाद मशीनरी के लिए 22.5 लाख रुपये और कार्यशील पूंजी के लिए 0.5 लाख रुपये प्रदान किए गए। इस समर्थन के साथ, उनका व्यवसाय काफी बढ़ गया है। **उनकी आय भी 12,000 रुपये प्रति माह से बढ़कर ~ 50,000 रुपये हो गई है**, और वह तीन तकनीशियनों को रोजगार प्रदान करते हुए जीवन को भी बदलने में सक्षम रही है।

उनकी सफलता की कहानी महिला सशक्तिकरण और उद्यमिता को रेखांकित करता है।

शिक्षा और कौशल विकास का प्रसार

भारत दुनिया के सबसे बड़े और सबसे युवा कार्यबल का घर है। हालांकि, उपलब्ध कार्यबल और उद्योगों द्वारा अपेक्षित कौशल के बीच बहुत बड़ा अंतर है, केवल ~ 5% औपचारिक रूप से कुशल के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस अंतर को पाटना आर्थिक विकास और उत्पादकता और विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

ज्ञान की मजबूत नींव बनाने में शिक्षा की भूमिका महत्वपूर्ण है। कुशल प्रशिक्षण किसी भी राष्ट्र में आर्थिक विकास और सामाजिक उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण चालक के रूप में कार्य करता है।

बीओआई की प्रशिक्षण और शिक्षा पहल: ऋण और बहुत कुछ

हम अपने कर्मचारियों से परे सभी स्तरों पर एक कुशल कार्यबल तैयार करने के लिए शिक्षा और कौशल विकास के महत्व को स्वीकार करते हैं। विविध पहलों के माध्यम से, हमारा उद्देश्य जागरूकता, ज्ञान और कौशल को बढ़ाना है, विविध भूमिकाओं के लिए तत्परता सुनिश्चित करना है। शिक्षा के लिए परिचालन सहायता के अलावा, हम गरीब और वंचित व्यक्तियों को बुनियादी शिक्षा प्रदान करने के लिए सीएसआर गतिविधियां भी करते हैं।

चित्र 19: शिक्षा एवं कौशल विकास हेतु हमारा समर्थन

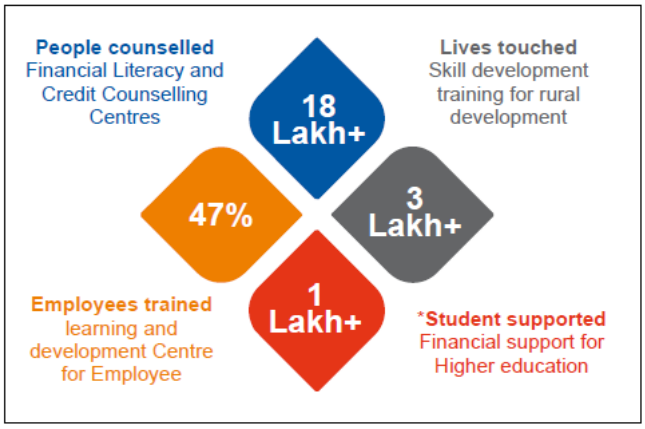

Note: *Number of accounts based on outstanding

कौशल में अंतर को कम करने के लिए स्टार स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETIs) की पहल

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (RSETI) कार्यक्रम, जिसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे के ग्रामीण युवाओं को सशक्त बनाना है, ग्रामीण विकास मंत्रालय (MoRD), राज्य सरकारों और प्रायोजक बैंकों को शामिल करने वाली एक संयुक्त पहल है.

इस पहल के हिस्से के रूप में, बैंकों को सरकार द्वारा अपनी अग्रणी बैंक जिम्मेदारी के एक भाग के रूप में अपने जिले के भीतर कम से कम एक संस्थान स्थापित करने के लिए अनिवार्य किया गया है

बीओआई द्वारा प्रायोजित RSETi	42	बीओआई द्वारा प्रायोजित सभी RSETi में वित्तीय वर्ष 2024 में निपटान और क्रेडिट लिंकेज की दर क्रमशः 78% और 60% से अधिक है।

नोट : बीओआई प्रायोजित आरसेटी

Figure: 20 BOI – Programme under RSETI

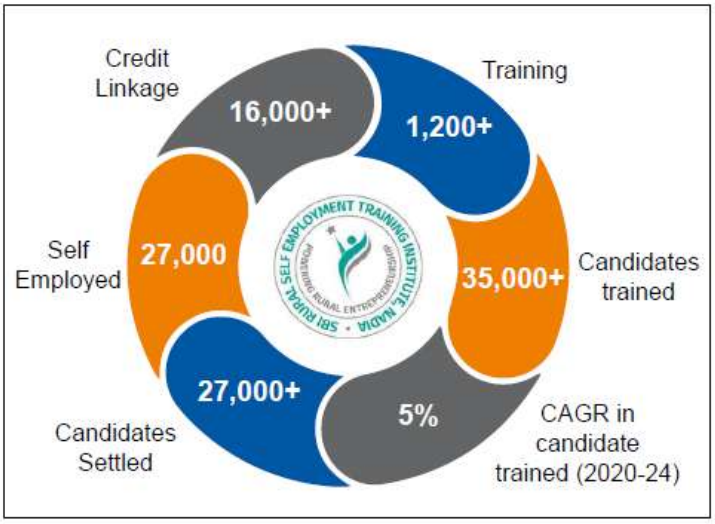

Note:
1. Candidates settled are those who got employment/business after training
2. Credit linkage are the self-employed who were provided with credit support from BOI

सफलता की कहानियां

बीओआई ने किस प्रकार इनकी सफलता में योगदान दिया

विद्या सुनील संगावकर, कोल्हापुर

विद्या ने अपने घर के पास एक छोटा फास्ट-फूड स्टॉल शुरू किया, जिसमें उन्होंने रु 50,000 की अपनी निधि लगाई। फास्ट-फूड व्यवसाय के बारे में ज्ञान की कमी के कारण, विद्या को कई समस्याओं का सामना करना पड़ा और ग्राहकों की मांग को पूरा करने में असमर्थ रहीं।

विद्या ने **BOI RSETi, कोल्हापुर में फास्ट-फूड प्रशिक्षण** में भाग लिया और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थों को तैयार करना और समय का प्रबंधन करना सीखा। उन्होंने व्यक्तित्व विकास का प्रशिक्षण भी लिया।

प्रशिक्षण पूरा करने के बाद, उन्होंने मुद्रा ऋण के लिए आवेदन किया और बीओआई से रु 1.60 लाख का ऋण प्राप्त किया, जिसका उपयोग उन्होंने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए किया। उनके फूड स्टॉल का नाम लाई भरी भेल सेंटर है। प्रशिक्षण से पहले, वह प्रति दिन रुपये 500 कमा रही थी। प्रशिक्षण के बाद, वह अब एक दिन में रु 3,000 – 5,000 कमाती हैं।

[14] World economic forum
4^ indicates share of candidates settled out of total candidates trained
* Indicates share of credit linkage to total self-employed candidates

आशा मालवीय, मध्य प्रदेश

आशा ने BOI RSETi के तहत बैंक सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम में रोजगार प्राप्त किया और अपने परिवार को आर्थिक रूप से समर्थन दिया।

RSETi बैंक सखी प्रशिक्षण के माध्यम से, वह प्रभावी संचार, लक्ष्य अभिविन्यास और समय प्रबंधन में सक्षम हो गई। आशा को स्वयं सहायता समूह ऋण/मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के रूप में वित्तीय सहायता मिली और **उन्होंने अपना स्वयं का सामान्य सेवा केंद्र शुरू किया।** उन्होंने रु 35,000 के अपने फंड के साथ एक उद्यम की स्थापना की और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से रु 25,000 की वित्तीय सहायता प्राप्त की। **आरएसईटीआई ने आशा को एक आश्रित से एक उद्यमी बनाया है।** वह अब सक्रिय रूप से अपनी घरेलू आय में योगदान देती है और अपने परिवार की वित्तीय जरूरतों को पूरा करती है।

भावी प्रतिभा को आकार देने के लिए शिक्षा में निवेश

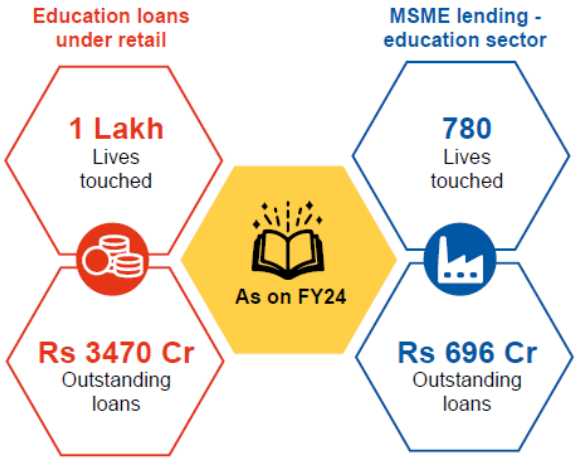

Note: Priority sector lending (PSL) accounted for about three-fourths of the education loan portfolio in the retail segment

कर्मचारियों को उद्योग के लिए तैयार करना

हम सात प्रशिक्षण संस्थान चलाते हैं, और यह सुनिश्चित करते हैं कि कर्मचारियों को उद्योग भर में आवश्यकताओं के साथ अद्यतन रहने के लिए आवश्यक शिक्षा और प्रशिक्षण प्राप्त हो।

हमने अपने कर्मचारियों के कौशल और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बैंक मैनेजमेंट, पुणे, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस, पुणे; कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चरल बैंकिंग, पुणे; एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया, हैदराबाद; मणिपाल ग्लोबल, बेंगलुरु; और अंतर्राष्ट्रीय प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली जैसी संस्थाओं के साथ सहयोग व्यवस्था की है ।

चित्र 21 : कौशल और सुरक्षा पर प्रशिक्षित कर्मचारियों का प्रतिशत

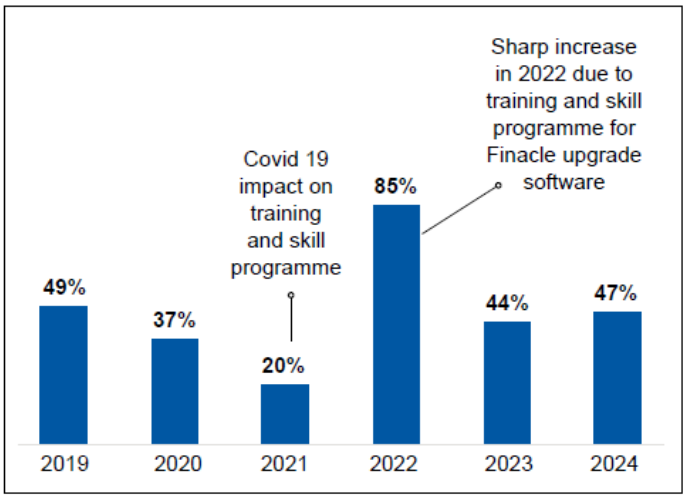

Source: CII Reports, 2022[5]

वित्तीय साक्षरता के माध्यम से युवा सशक्तिकरण

वित्तीय साक्षरता और ऋण परामर्श केंद्र (एफएलसीसी)/एफएलसी भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुसार ग्रामीण और शहरी केंद्रों के उन जिलों में स्थापित किए जाते हैं जहां बैंक की अग्रणी बैंक जिम्मेदारी है।

हमारे 51 एफएलसी सभी 51 अग्रणी जिलों में कार्य कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य अधिक लोगों को वित्त को समझने में मदद करना है, जो युवाओं को उनकी वित्तीय भलाई के लिए सूचित विकल्प बनाने के लिए सशक्त बना सकता है।

एफएलसी प्रशिक्षण प्रदान करने के अलावा व्यथित उधारकर्ताओं के लिए मामला-दर-मामला आधार पर उपचारी परामर्श, मीडिया, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों के माध्यम से निवारक परामर्श भी देती हैं। वित्त वर्ष 2024 में कुल 18.67 लाख लोगों को काउंसलिंग दी गई ।

कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियां

सामाजिक चुनौतियों का सामना करने, सतत विकास को बढ़ावा देने और बेहतर समाज के निर्माण में सीएसआर अब महत्वपूर्ण हो गया है। सरकारी विनियमों के अनुसार, कंपनियों को अपने लाभ का 2% सीएसआर गतिविधियों के लिए आबंटित करना अनिवार्य है। वित्तीय वर्ष 2022 के दौरान, 19,043 कंपनियों ने सामूहिक रूप से सीएसआर पहलों में रु 26,279 करोड़ का योगदान किया है।

बैंक ऑफ इंडिया की स्थापना बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन एवं अंतरण) अधिनियम, 1970 की गयी थी, और इसलिए इस पर कंपनी अधिनियम, 2013 लागू नहीं है। इसलिए, हमें अपने पास लाभ का 2% सीएसआर के लिए आबंटित करना अनिवार्य नहीं है। तथापि, हम स्थायी आधार पर सीएसआर पहल के माध्यम से पर्यावरण और सामाजिक संवर्धन का समर्थन करने के लिए समर्पित हैं।

सीएसआर के लिए बीओआई की प्रतिबद्धता: परिवर्तन लाना

हमने वित्तीय वर्ष 2024 में सीएसआर पहल के लिए रु 8 करोड़ आवंटित किए, जिनमें से रु 7.07 करोड़ खर्च किए गए। सामाजिक कल्याण के प्रति हमारा समर्पण इसकी सीएसआर पहल के तहत कार्यक्रमों की श्रृंखला के माध्यम से प्रदर्शित होता है।

चित्र 22 : वित्त वर्ष 2024 हेतु वर्ग-वार सीएसआर व्यय हिस्सेदारी

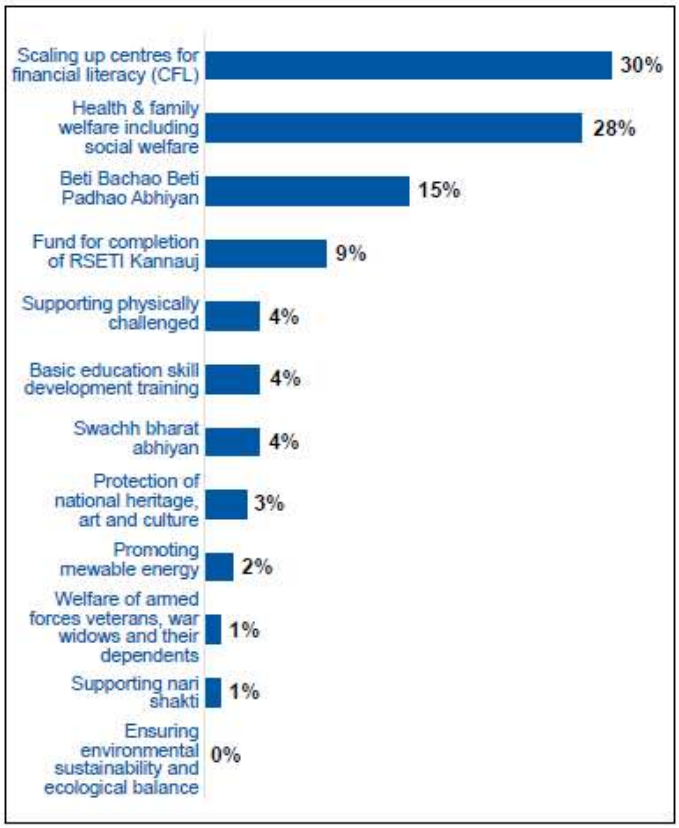

स्टार एंजेल योजना एक उल्लेखनीय कार्यक्रम है, जो बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का समर्थन करता है

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ लिंग आधारित लिंग-चयनात्मक भ्रूण हत्या को रोकने, लड़कियों की सुरक्षा और छात्राओं की शिक्षा और भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल है। हम प्रति ग्रामीण शाखा, पांच बालिकाओं को गोद लेते हैं और उन्हें कक्षा 1 से स्नातक तक के शैक्षिक व्यय के लिए प्रति बालिका प्रति वर्ष रु 1200 वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं।

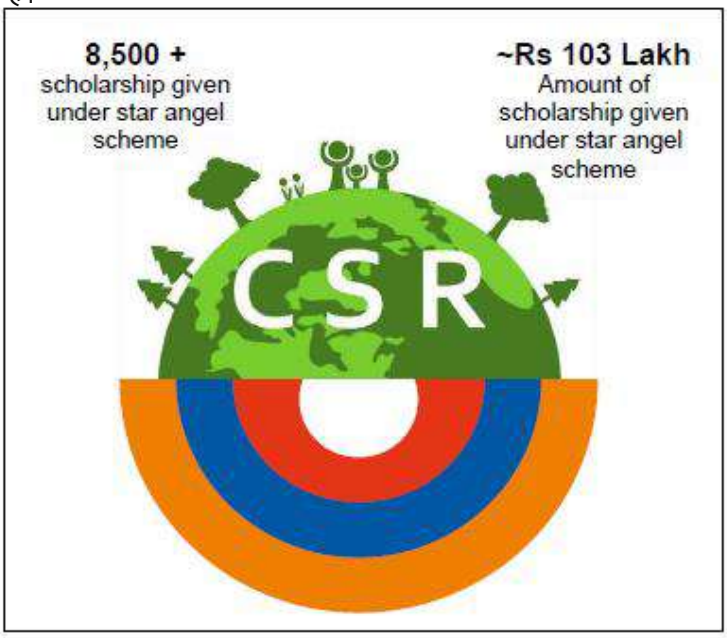

वित्तीय वर्ष 2024 में सीएसआर पहल

Financial Assistance through CSR to The Spastics Society of Tamil Nadu (SPASTN) for rehabilitation, special education and vocational training for skill development of differently abled children, under Chennai Zone, NBG-South I

SPASTN provides extensive rehabilitation including neuro-developmental therapy, hydrotherapy, speech & language therapy and sensory integration. They also run a community-based rehabilitation of children with special needs in Tiruvallur District.

Rs 5 Lakh for CSR Support to Spastics Society of Tamil Nadu (SPASTN) for rehabilitation, special education and vocational training for skill development of differently abled children.

Financial Assistance through CSR for procurement of necessary items for Sahara Vridhashram, Patna

Rs 1 lakh for purchase of water cooler, LED television, vaccum cleaner, 35 men's T-shirts, 55 ladies nighties and 250 kgs of foodgrains. The aforesaid CSR activity falls under category of "Health and family welfare including social welfare"

Financial Assistance through CSR for procurement of 200 ceiling fans to Police Line Dhanbad

Financial Assistance through CSR for procurement of 200 ceiling fans to Police Line Dhanbad

Financial Assistance through CSR for procurement of Three sets of Desktop Computers for Dhanamma Devi Devasthan trust Kolhapur

Rs1 Lakh for purchase of Three Sets of Desktop Computers for Dhanamma Devi Devasthan Trust, Guddapur.in Kolhapur District. The aforesaid CSR activity falls under category of "Social Welfare".

Financial Assistance through CSR to Vision Foundation of India (VFI)for Free Eye Surgery Camp Mumbai

Pre Operative Photograph

Post Operative Photograph

BOI has provided 9 lakh Rs for 360 eye surgeries, with Rs 2500/- for each surgery, to the Foundation of India. for carrying out free eye checkup and Cataract surgeries of the marginalized strata of the society. The aforesaid CSR activity falls under category of "Health and Family Welfare including Social Welfare.

Financial Assistance though CSR for procurement of Ambulance to Sansthan Shri Deo Ganapatipule Devasthan

In collaboration with Bank of India, Sansthan Shri Deo Ganapatipule Devasthan offers a free ambulance service to those in need. BOI allocated Rs20 Lakh - to provide one ambulance to Sansthan Shri Deo Ganapatipule Devasthan, Ganapatipule, Maharashtra. This CSR initiative falls under the category of "Health and Family Welfare, including Social Welfare".

Financial Assistance through CSR to Aatmaja Foundation working for education of girls from under privilege background under NBG-West II

Aatmaja Foundation, a Non-profit organization committed to enabling bright young girls from disadvantaged backgrounds to become successful professionals. They seek support for 15 girls (with average spend on each girl being 40,000) i.e. Rs6 lakhs. The project name is "Udaan" and the expenses are incurred for School/ College fees, Books, Extra coaching, mentoring, counselling, training and administrative expenses related to supporting these initiatives.

पर्यावरण की दृष्टि से सतत भविष्य का समर्थन करना

औद्योगीकरण और परिणामस्वरूप भौगोलिक उष्मन ने पर्यावरण को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है। जलवायु में हुए परिवर्तन से हमारी जीवन शैली एवं कार्य प्रणाली तेजी बदल रही है। यह संगठनों को अपनी कार्यनीतियों का पुन: आकलन करने के लिए बाध्य कर रहा है और कारोबार रूपान्तरण पर बल दे रहा है। जलवायु संबंधी मानवीय गतिविधियों के प्रभाव को कम करने एवं भौगोलिक उष्मन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के अनुसार, भारत ने 2005 और 2019 के बीच जीडीपी से संबंधित इमिशन्स एंटेसिटी को 33% तक कम किया है, और 2030 तक राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित अंशदान (एनडीसी) को प्राप्त करने का लक्ष्य है, जिसमें अभी 11 वर्ष शेष हैं। देश ने 2070 तक निवल शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

बैंक ऑफ़ इंडिया की पर्यावरण संबंधी प्रतिबद्धता : पर्यावरण-योद्धाओं को सशक्त करना

हमारे बैंक में मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम)/महाप्रबंधक (जीएम) स्तरीय ईएसजी एवं पर्यावरण जोखिम पर बैंक की पहल संबंधी ईएसजी निगरानी समिति है। हमारी बोर्ड अनुमोदित ईएसजी नीति भी है जिसमें जलवायु संबंधी जोखिमों का आकलन एवं उनका प्रबंधन करने के लिए प्रबंधन की भूमिका के बारे में बताया गया है।

हमारी पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रथायें पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

चित्र 23 : वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के दौरान स्कोप 1 एवं 2 उत्सर्जन (emissions)

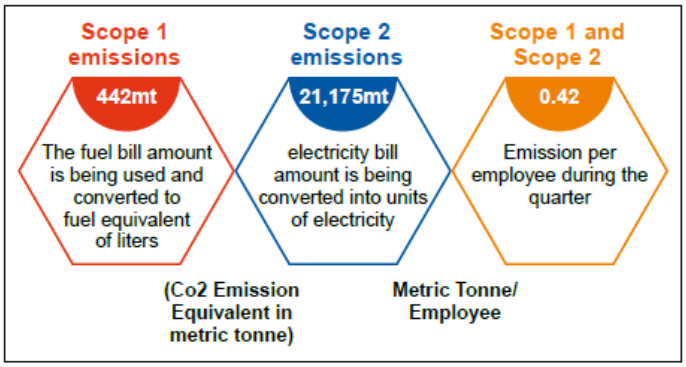

हम अपने स्कोप 1 और 2 उत्सर्जन को कम करने के लिए सक्रिय उपाय कर रहे हैं। हमारे द्वारा उठाए गए कुछ कदम यहां दिए गए हैं। हमने रिटेल लोन सेगमेंट में सोलर रूफटॉप पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों का वित्तपोषण किया है। हमने कॉरपोरेट ऋणों में अक्षय ऊर्जा कंपनियों को वित्तीय सहायता भी दी है।

हमने बायो गैस, सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन और वितरण में ऋण अंडरराइट किया है, वित्तीय वर्ष 2024 तक नवीकरणीय पोर्टफोलियो में कुल बकाया 2505 करोड़ रुपये है।

चित्र 24 : वित्त वर्ष 2024 के दौरान बीओआई हरित वित्तपोषण

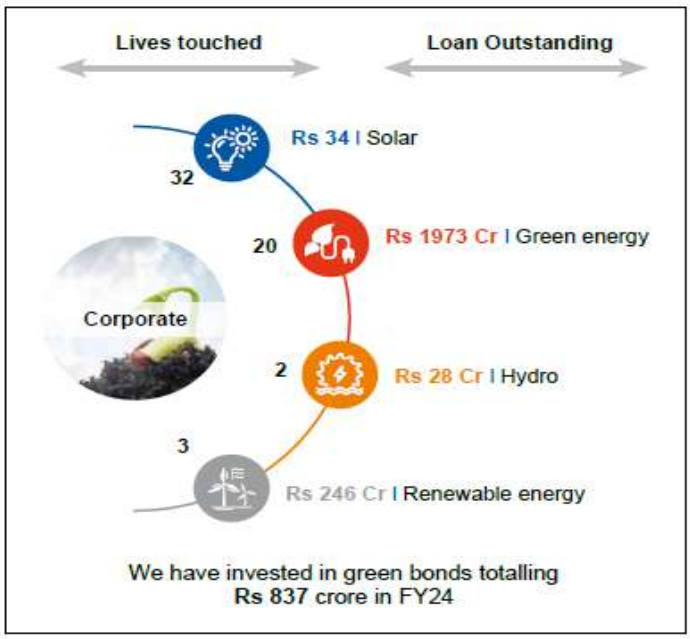

टेबल 2 : बीओआई हरित वित्तपोषण

Renewable energy (As on FY24)	
Lives touched	135
Loan Outstanding	Rs 48 Cr

Note: MSME renewable energy category represents loan outstanding under Star energy saver scheme which was launched in December 2023.

टेबल 3 : रिटेल

E-Vehicle (As on FY24)		
E-Vehicle	Lives touched	1,314
	Loan Outstanding	Rs 23 Cr
Solar rooftop (As on FY24)		
Solar rooftop financing	Lives touched	235
	Loan Outstanding	Rs 118 Cr

टेबल 4 : कृषि

Compressed Biogas (As on FY24)		
Compressed Biogas	Loan Outstanding	Rs 15 Cr
Agriculture Biotechnology (As on FY24)		
Agriculture Biotechnology	Loan Outstanding	Rs 27 Cr

डिजिटल लोन सुविधा के माध्यम से 7.7 लाख लोगों को फायदा हुआ

वित्तीय वर्ष 2024 में, हमने ई-पोर्टल के माध्यम से डिजिटली रूप से खोले गए ऋण खातों में रु. 15,516 करोड़ स्वीकृत किए, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 1.13 करोड़ पृष्ठों की बचत हुई। इससे लगभग 50 मीट्रिक टन कार्बन उत्सर्जन को कम करने में योगदान मिला।

हमने सभी उधारकर्ताओं हेतु उनके स्थान के आधार पर भौतिक जोखिम स्कोरिंग और उद्योगों के लिए उनके जीएचजी उत्सर्जन के आधार पर ट्रांजिशन जोखिम स्कोरिंग आयोजित की है। इन स्कोरों से प्रत्येक क्षेत्र में अति संवेदनशील खातों की पहचान करने के लिए हमारे कॉर्पोरेट पोर्टफोलियो के साथ तुलना की गई थी।

टेबल 5 : विकास में महिलाओं की सहभागिता को बढ़ावा देना

	ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन बीओआई के पास अपने प्रधान कार्यालय, स्टार हाउस 2 के लिए ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणपत्र है। इमारत में अच्छी तरह से सीलबंद डक्ट सिस्टम, सीलबंद दहन गैस उपकरण, बाथरूम एवं रसोई निकास पंखे और एक संतुलित/सकारात्मक दबाव वेंटिलेशन प्रणाली हैं.
	सोलर पैनल संस्थापन बैंक ने विभिन्न सुविधाओं में बिजली उत्पादन के लिए सौर पैनल स्थापित किए हैं। छह बीओआई सुविधाओं को सौर पैनलों से सुसज्जित किया गया है, जबकि अन्य 25 सुविधाएं स्थापित करने की प्रक्रिया में हैं।
	सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध बैंक ने कार्यालय परिसर में एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग को प्रतिबंधित कर दिया है।जागरूकता पैदा करने के लिए, सभी प्लास्टिक वस्तुओं जैसे पालतू बोतलें और अन्य कठोर प्लास्टिक को एकत्र किया जाता है और कार्यालय परिसर में प्रदर्शित किया जाता है। बाद में, उन्हें सरकार द्वारा अधिकृत रीसाइक्लिंग केंद्र में रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाता है।
	गीले एवं सूखे कचरे का पृथक्करण बीओआई अपने गीले और सूखे कचरे को स्रोत (आवासीय और वाणिज्यिक) परिसरों में अलग करता है। सूखे कचरे को अलग करके पुनर्चक्रित (रिसाइकिल) किया जाता है या बेचा जाता है।

प्रभावी शासन पद्धति हेतु प्रतिबद्धता

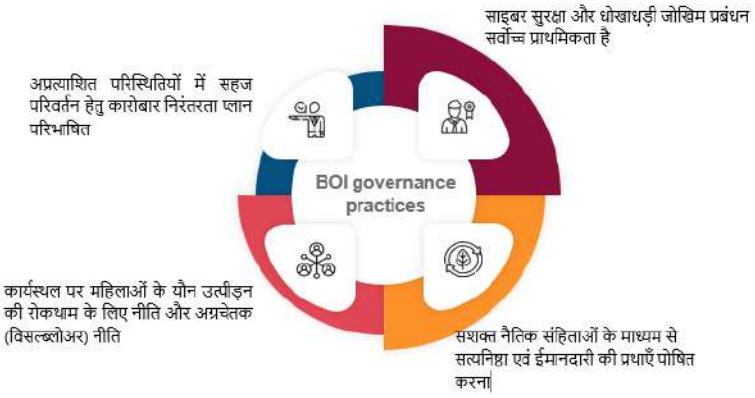

डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ते कदम

डिजिटल क्रांति भारत के गतिशील वित्तीय पटल पर एक परिवर्तनकारी शक्ति के रूप में उभरी है, जिसने वित्तीय संस्थानों के संचालन को नया आकार दिया है। डिजिटल इंडिया और कैशलेस अर्थव्यवस्था जैसी पहल पर जोर देने से डिजिटल अपनाने में वृद्धि स्पष्ट है। 4जी और 5जी ग्राहकों का प्रतिशत वित्त वर्ष 2019 में 79% से बढ़कर वित्त वर्ष 23 में 91% हो गया है, इस उपस्थिति ने पैनीट्रेसन शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विविध उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान करते हुए मोबाइल बैंकिंग, डिजिटल वॉलेट और ऑनलाइन ऋण देने वाले प्लेटफार्मों को फलने-फूलने में सक्षम बनाया है।

Figure 25: Consumers shifting to faster 5G technology

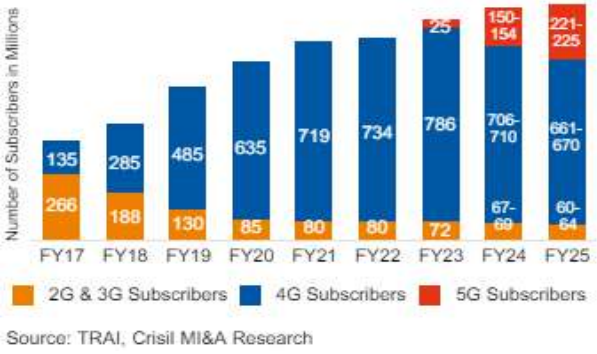

Source: TRAI, Crisil MI&A Research

इस बेहतर डिजिटल बुनियादी ढांचे के दम पर, भारत में भुगतान में डिजिटल रूप से किए जाने वाले लेनदेन की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

Figure 26: Number of UPI transactions in India over FY13-24[17]

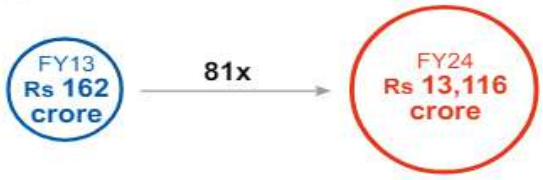

डिजिटल लेंडिंग की लोकप्रियता में वृद्धि

भारतीय रिज़र्व बैंक के डिजिटल ऋण पर उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2017 और 2020 के बीच डिजिटल संवितरण 12 गुना बढ़ गया है। निजी क्षेत्र के बैंक और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां 85% के साथ डिजिटल ऋण पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभुत्व बनाए हुए हैं; वित्तीय वर्ष 2017 और 2020 के बीच सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अपनी हिस्सेदारी 0.3% से बढ़ाकर 13.1% कर दी है।

बीओआई की डिजिटल पहल : ट्रान्स्फॉर्मेशन बाइट्स

वित्त वर्ष 2022 और 2024 के बीच संव्यवहारों की संख्या (मात्रा के संदर्भ में) 2.4 गुना बढ़कर, 607 करोड़ होने के साथ, यूपीआई हमारी डिजिटल परिवर्तन यात्रा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है.

चित्र 27 : बीओआई कुल यूपीआई संव्यवहार

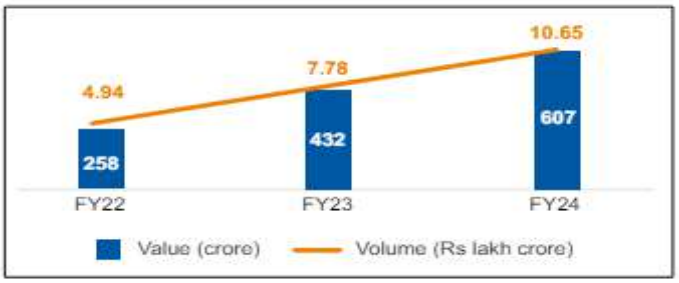

हमने एक डिजिटल ऋण विभाग स्थापित किया है जो ई-प्लेटफॉर्म के माध्यम से एमएसएमई, कृषि और खुदरा क्षेत्रों के लिए ऋण प्रदान करता है।

इस प्लेटफ़ॉर्म द्वारा संचालित, जो वेब-सक्षम और शाखा-सहायता प्राप्त दोनों चैनलों की अनुमति देता है, **हमने 7.7 लाख खाते जोड़े** हैं। ये वित्त वर्ष 2024 में **~15,500 करोड़ रुपये** की राशि की स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करते हैं।

टेबल 5 : वित्त वर्ष 2024 हेतु हमारे बैंक के डिजिटलीकृत उत्पाद पोर्टफोलियो

ऋण	प्रमुख उत्पाद	खातों की संख्या	कुल खातों का %	शाखा-सहायता प्राप्त सेवाओं की शुरुआत	वेब सक्षम सेवाओं की शुरुआत	मील का पत्थर
एमएसएमई (Mudra)	शिशु	13510	1.7%	2QFY23	3QFY23	End-to-end digital in Shishu (existing to bank customer); disbursement time reduced from 7 days to 10 minutes
	किशोर	62592	8.1%	3QFY23	2QFY24	
	तरुण	27895	3.6%	3QFY23	2QFY24	
कृषि	केसीसी–फसल	61564	8.0%	3QFY23	2QFY24	Online retrieval of land records and crop reports – KCC pilot in MP
रिटेल	पर्सनल	8346	1.1%/	2QFY23	4QFY23	Recent addition of pensioner loan to web-platform
	पेंशनर	640	0.1%	2QFY23	1QFY24	
	व्हीकल	8537	1.1%	3QFY23	Not Enabled	
	आवास	457	0.1%	3QFY24	Not Enabled	
	स्वर्ण	584586	75.6%	2QFY23	2QFY23	Moving to phygital

चित्र 28 : डिजिटल पहल की वजह से सभी क्षेत्रों में त्वरित ऋण

MSMEs (Mudra)	10 Minutes	**Shishu** loans for Existing To Bank (ETB) users processed faster than Kishore and Tarun loans via web journey option, as on-site verification is waived off leading to disbursement within **10 minutes**.
	1-2 Days	For **Kishore and Tarun**, the documentation process takes **15-20 minutes** for existing users; additional time is taken for site visits. The timeframe for New To Bank (NTB) users is **1-2 days**. This entire process would take ~7 days in the manual mode for all the three products under Mudra previously.

Agriculture Loans	15 Minutes	KCC's pilot project in Madhya Pradesh digitalised the collection of land records and crop reports reducing the loan disbursement time for crop loans to 15 minutes from 1-2 days earlier.
Gold Loans	KCC's pilot project in Madhya Pradesh digitalised the collection of land records and crop reports reducing the loan disbursement time for crop loans to 15 minutes from 1-2 days earlier.	
	The loan amount displayed is tentative and a branch visit is required to get the gold evaluated by professional appraisers	

हमारे कुछ डिजिटल पहल

हमारी प्रमुख पहलों में से एक बीओआई मोबाइल ओमनी नियो ऐप रही है। 300 से अधिक सुविधाओं से सुसज्जित, यह सभी बैंकिंग, निवेश और भुगतान आवश्यकताओं के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य करता है। उपयोगकर्ता एसबी, एफडी, पीपीएफ आदि के लिए शुरू से अंत तक डिजिटल खाता खोल सकते हैं और सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, म्यूचुअल फंड और बीमा उत्पादों में निवेश कर सकते हैं। यह लेनदेन और अधिदेशों का एक सरलीकृत दृश्य भी देता है।

हमने एक तेज़ और अधिक मजबूत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म सुनिश्चित करने के लिए एक नए अत्याधुनिक डेटा सेंटर को जोड़कर, इंट्रा-बैंक नेटवर्क को अपग्रेड करके और **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस/मशीन लर्निंग/जेनरेटिव एआई** जैसी नई तकनीकों में निवेश करके अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में बड़ा उन्नयन किया है। इसके अलावा, **व्हाट्सएप बैंकिंग** अब उपयोगकर्ता अनुभव को अधिक सुविधाजनक बना रही है और **व्यापारियों के लिए एक पोर्टल है** जो सभी कॉरपोरेट्स के लिए वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य कर रहा है।

सीमाओं से परे बैंकिंग

ऐसे उदाहरण जहां हमारी सहायक कंपनियों ने प्रभाव डाला

भारतीय रिज़र्व बैंक के एक सर्वेक्षण से पता चला कि विदेशों में कार्यरत भारतीय बैंकों की शाखाओं और सहायक कंपनियों की संख्या में वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2017[19] में 517 से, वित्तीय वर्ष 2023[-20] तक यह संख्या बढ़कर 531 हो गई। यह विभिन्न अंतरराष्ट्रीय बाजारों में घरेलू बैंकों के क्रमिक विस्तार को इंगित करता है, जिससे ग्राहकों के सीमा पार बैंकिंग अनुभव में वृद्धि होती है और वैश्विक ग्राहक प्राप्त होते हैं।

विदेशों में कार्यरत शाखाओं और सहायक कंपनियों ने ऋण विस्तार में लगातार वृद्धि देखी है, जिसने वित्तीय वर्ष 2017 और 2023 के बीच ~ 3% सीएजीआर दर्ज किया है। वित्तीय वर्ष 2023 में, विस्तारित ऋण लगभग 10,942 बिलियन रुपये तक पहुंच गया।

बीओआई का वैश्विक परिचालन : उपस्थिति में विस्तार

मार्च 2024 तक, हमारी उपस्थिति पाँच महाद्वीपों के 15 देशों और 47 विदेशी कार्यालयों में है।

विदेशी परिचालन, जिसने हमारे वैश्विक कारोबार मिश्र (अग्रिम और जमा) में 15% का योगदान दिया, 2 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया, जो हमारे समग्र परिचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

विश्व के महत्वपूर्ण स्थलों पर स्थित हमारी विदेशी शाखाओं ने जमाराशियों में वर्ष–दर–वर्ष 5.5% की वृद्धि दर्ज की और यथा वित्त वर्ष 2024 रु. 108,203 करोड़ रहीं.

हमारी वैश्विक अनुषंगियां

हमारी चार वैश्विक अनुषंगियां हैं, इंडोनेशिया, तंजानिया, न्यूजीलैंड और युगांडा में एक-एक। वित्तीय वर्ष 2024 में इन अनुषंगियों को कुल सकल अग्रिम राशि लगभग $418 मिलियन थी। ये अनुषगियाँ समाज के विभिन्न वर्गों को सेवाएँ प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जैसे:

Note: Total credit exposure of subsidiaries which have financed to these segments

न्यूयॉर्क में सामुदायिक सहभागिता

हमारी न्यूयॉर्क शाखा ने **न्यूयॉर्क सिटी, इंक. (एनएचएसएनवाईसी) की नेबरहुड हाउसिंग सर्विसेज के लिए $3 मिलियन की कार्यशील पूंजी सीमा** निर्धारित की है। क्रेडिट लाइन के माध्यम से एनएचएसएनवाईसी को सहायता सामुदायिक विकास ऋण के अंतर्गत आती है।

नेबरहुड हाउसिंग सर्विसेज ऑफ़ न्यूयॉर्क सिटी, इंक. (एनएचएसएनवाईसी) एक गैर-लाभकारी निगम है जो किफायती ऋण, आवास शिक्षा और जर्जर संपत्तियों का नवीनीकरण प्रदान करता है, जिससे कम आय वाले व्यक्तियों को लाभ होता है।

एनएचएसएनवाईसी को दी गई क्रेडिट सुविधा सामुदायिक पुनर्निवेश अधिनियम (सीआरए) के तहत दिए गए ऋण के लिए योग्य है, जो संघीय जमा बीमा निगम (एफडीआईसी) के अनुसार अनिवार्य है। हमने कैलेंडर 2024 के दौरान **$1 मिलियन** मूल्य के सीआरए जमा प्लेसमेंट आवंटित किए।

इसके अलावा, हमारी न्यूयॉर्क शाखा फेडरल नेशनल मॉर्टगेज एसोसिएशन (एफएनएमए) और गवर्नमेंट नेशनल मॉर्टगेज एसोसिएशन (जीएनएमए) में निवेश करती है, जो निम्न और मध्यम आय वाले समूहों के लिए आवास के लिए धन उपलब्ध कराती है।

हमने **चार सामुदायिक विकास वित्तीय संस्थानों** के लिए सीडी भी खोली। हमने किफायती आवास, आर्थिक विकास और सामुदायिक सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए **17 सामुदायिक** विकास संगठनों को अनुदान की पेशकश की।

हमारी न्यूयॉर्क शाखा निम्न और मध्यम आय वर्ग के छात्रों के लिए **वित्तीय साक्षरता सेमिनार** आयोजित करती है, जो स्थानीय समुदायों में सकारात्मक बदलाव और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है।

बीओआई सिंगापुर द्वारा संधारणीयता-लिंक्ड वित्तपोषण

वित्तीय वर्ष 2024 में, हमारी सिंगापुर शाखा, बीओआई सिंगापुर ने कुल **69 मिलियन SGD के तीन सिंडिकेटेड स्थिरता(संवहनीयता)-लिंक्ड ऋणों** को वित्तपोषित किया।

पहला ऋण (SGD 15 मिलियन) दक्षिण पूर्व एशिया में होटल और रिसॉर्ट संचालित करने वाली वित्तीय होल्डिंग कंपनी को दिया गया था। ऋण की स्थिरता के प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (केपीआई) में **2022 बेसलाइन से 2030 तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में 66% की कमी और लैंडफिल में कचरे में 50% की कटौती शामिल है।** विशेष रूप से, कंपनी ने 2023 में उत्पन्न कचरे का 23% पुनर्चक्रण(रिसाइक्लिंग) के लिए भेज दिया। भरे हुआ कमरे (आक्यूपाइड रूम) में इसका उत्सर्जन 20% कम हो गया और पानी का उपयोग 2.3% कम हो गया।

दूसरे ऋण (SGD 34 मिलियन) ने एक वैश्विक दवा कंपनी का समर्थन किया। **केपीआई में नवीकरणीय ऊर्जा की खपत बढ़ाना, मीठे पानी की खपत में कमी और कार्यस्थल में लैंगिक विविधता में सुधार शामिल है।**

तीसरे (SGD 20 मिलियन) ने अफ्रीका में एक वाणिज्यिक बैंक की सहायता की। केपीआई ने **नवीकरणीय ऊर्जा और विविधता को बढ़ाया, विशेष रूप से वरिष्ठ भूमिकाओं में अश्वेत महिलाओं को बढ़ाया।**